हिंदी दैनिक

# कलम की पहल

PRGI NO. UAHIN/25/A1323

वर्ष : 02 अंक : 152 पृष्ठ : 08 मूल्य : 1 रूपए नैनीताल, शुक्रवार, 20 नवंबर, 2026

E-mail: kalamkipahaluk@gmail.com Website: kalamkipahal.com

**पीएम मोदी का राहुल गांधी को जबाव.....**

## भारत की संस्कृति 'खाओ, पियो और मौज करो' की नहीं

### कांग्रेस शासनकाल में भारत को 'फ्रैजाइल फाइव' अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में देश को सामाजिक अनुशासन और आर्थिक प्रगति का दोहरा संदेश दिया। एक ओर उन्होंने मंत्रिपरिषद की बैठक में नागरिकों को बचत, संयम और नशामुक्ति का मंत्र दिया, वहीं एफआईसीसीआई के शताब्दी समारोह में भारतीय अर्थव्यवस्था की उपलब्धियां बताकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों का करारा जवाब भी दिया। पीएम मोदी ने स्पष्ट किया कि भारत की संस्कृति 'खाओ, पियो और मौज करो' की नहीं, बल्कि बचत, अनुशासन और भविष्य के लिए संसाधन जुटाने की रही है।

फिलीपींस से लौटने के तुरंत बाद बुलाई गई मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्रियों और सचिवों से बचत की आदत को प्रोत्साहित करने की अपील की। उनकी चिंता यह थी



कि जो परिवार कड़ी मेहनत और सरकारी योजनाओं से गरीबी से बाहर निकले हैं, वे अनियंत्रित खर्च के कारण फिर आर्थिक संकट में न फंस जाएं। केंद्र सरकार का लक्ष्य है कि लोगों की आय बढ़ने के साथ उनकी बचत भी बढ़े, ताकि परिवार आर्थिक रूप से मजबूत हों और देश में निवेश की क्षमता का विस्तार हो सके। इस बैठक में, प्रधानमंत्री मोदी ने गरीबी उन्मूलन और वामपंथी उग्रवाद यानी नक्सलवाद के खतरे को कमजोर करने में मिली सफलता के बाद नशे की समस्या को अगली बड़ी राष्ट्रीय चुनौती बताया। उन्होंने इसके खिलाफ सामूहिक अभियान चलाने का आह्वान कर कहा कि यह केवल सरकार या पुलिस की नहीं, बल्कि पूरे सरकारी तंत्र, सामाजिक संगठनों, परिवारों और हर नागरिक की जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री मोदी ने जोर दिया कि युवा पीढ़ी को नशे से दूर रहकर शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना चाहिए, ताकि वे अपनी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में लगा सकें। इस बैठक में वित्त, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, आवास और मत्स्य पालन सहित कई विभागों के सचिवों ने प्रस्तुतियां दीं, जिसमें सरकारी योजनाओं के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने और प्रशासनिक सुधारों पर चर्चा हुई। यह बैठक प्रधानमंत्री की कार्यशैली का भी प्रतीक थी, जहां वे अंतरराष्ट्रीय दौरों से लौटकर तुरंत घरेलू प्रशासनिक प्राथमिकताओं की समीक्षा करते हैं। इसके अतिरिक्त, एफआईसीसीआई के शताब्दी समारोह में पीएम मोदी ने भारतीय अर्थव्यवस्था की उपलब्धियों को सामने रखकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'इकोनॉमिक डिजास्टर' वाले बयान का आंकड़ों से जवाब दिया। उन्होंने बताया कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है, जिसकी विकास दर करीब 7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। अक्टूबर महीने में भारत के वस्तु निर्यात के रिकॉर्ड 50 अरब डॉलर तक पहुंचने का उन्होंने उल्लेख किया। विश्व बैंक के आंकड़ों का हवाला देकर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले 12-13 वर्षों में 50 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर निकले हैं। उन्होंने इस उपलब्धि को सही नीतियों और नीयत का परिणाम बताया, और 1970 के दशक के 'गरीबी हटाओ' नारे के बावजूद गरीबी खत्म न होने पर कांग्रेस के पुराने शासनकाल पर निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत को कभी दुनिया की 'फ्रैजाइल फाइव' अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था, लेकिन पिछले एक दशक में युवाओं, किसानों, श्रमिकों और उद्योग जगत के सामूहिक प्रयासों से यह स्थिति बदली है।

## दिल्ली में फर्जी फॉर्म 7 जमा होने की याचिका पर SC ने कहा- EC को शिकायत दें, एक्शन होगा



नई दिल्ली। दिल्ली की मुस्तफाबाद विधानसभा सीट में लोगों के नाम वोटर लिस्ट से कटवाने के लिए फर्जी फॉर्म-7 जमा होने का आरोप लगा रहे याचिकाकर्ता को सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को शिकायत सौंपने के लिए कहा है.

कोर्ट ने गुरुवार (19 नवंबर) को कहा कि जिस BLO के खिलाफ शिकायत है, उसकी जानकारी राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी को दें, वह उचित कार्रवाई करेंगे. कांग्रेस नेता अली मेहदी ने याचिका दाखिल की थी.

कांग्रेस नेता अली मेहदी ने दावा किया कि दिल्ली में चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण (SIR) के दौरान मुस्तफाबाद विधानसभा क्षेत्र-69 (AC-69) में मतदाताओं के नाम हटाने के लिए बड़ी संख्या में 'फर्जी' फॉर्म-7 दाखिल किए गए हैं, जिससे चुनावी निष्पक्षता पर संकट खड़ा हो गया है.

वकील शारिक अहमद के जरिए दायर याचिका में कहा गया है कि जिन मतदाताओं के नाम मौत, अनुपस्थिति या स्थायी रूप से कहीं और चले जाने के आधार पर हटाने के लिए सूची में डाले गए थे, वे असल में जीवित हैं. वे अपने दर्ज पतों पर ही मौजूद हैं और वहीं रह रहे हैं.

अली मेहदी का पिछले महीने दिल्ली के मुस्तफाबाद से वीडियो वायरल हुआ था. इसमें वो कह रहे हैं, ''चुनाव आयोग और बीजेपी जो वोट की चोरी कर रही है, उसका मुस्तफाबाद में अजीबोगरीब केस आया है. जहीर अली नेहरू विहार वार्ड में रहते हैं. हमारे सामने हैं. इनका इलेक्शन कार्ड है. बीजेपी के बीएलए ने इनके खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दी. इन्हें डेथ दिखा दिया. इन्होंने कोई फॉर्म नहीं भरा. बीजेपी के बीएलए के कहने पर इन्हें मृत घोषित कर दिया गया.''

**फॉर्म 7 क्या है?**

मतदाता सूची में दर्ज किसी व्यक्ति के नाम पर आपत्ति, स्थान परिवर्तन या मौत होने पर अपने किसी परिजन या स्वयं का नाम सूची से हटाने के लिये फॉर्म 7 का इस्तेमाल किया जाता है.

## कैंट विधानसभा को 48.44 करोड़ की विकास योजनाओं की सौगात, धामी ने किए 23 परियोजनाओं के लोकार्पण-शिलान्यास

**29.41 करोड़ के 10 कार्यों का लोकार्पण और 19.03 करोड़ की 13 योजनाओं का शिलान्यास**

**के.के.पी संवाददाता**

**देहरादून।** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कैंट विधानसभा क्षेत्र को 48.44 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं की सौगात दी। गुरुवार को कोलागढ़ में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री ने कुल 23 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें 29.41 करोड़ रुपये की लागत से तैयार 10 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 19.03 करोड़ रुपये की लागत वाली 13 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए आठ महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। मुख्यमंत्री ने शास्त्रीनगर नाले के




पुनर्निर्माण कार्य को शीघ्र स्वीकृति देने, हरवंश कपूर राजकीय इंटर कॉलेज परिसर में पर्याप्त भूमि उपलब्ध होने पर राजकीय डिग्री कॉलेज खोलने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने तथा कांवली रोड के पुनः चौड़ीकरण की कार्रवाई करने की घोषणा की। इसके साथ ही लोक निर्माण विभाग के माध्यम से पांच करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने यमुना कॉलोनी के वार्ड संख्या 23, इंद्रापुरम के वार्ड संख्या 41 और हिंदलोक कॉलोनी के वार्ड संख्या 43 में भगवान शंकर मंदिर के समीप एक-एक ट्यूबवेल स्थापित करने की घोषणा की। गोविंदगढ़ के वार्ड संख्या 14 में चार करोड़ रुपये से अधिक की अनुमानित लागत से पेयजल लाइन सुदृढ़ीकरण तथा विजय पार्क पेयजल लाइन सुदृढ़ीकरण की लगभग पांच करोड़ रुपये की योजना को आगामी कार्ययोजनाओं में शामिल करने की बात कही। प्रेमनगर क्षेत्र को नगर पालिका में शामिल करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का भी आश्वासन दिया।

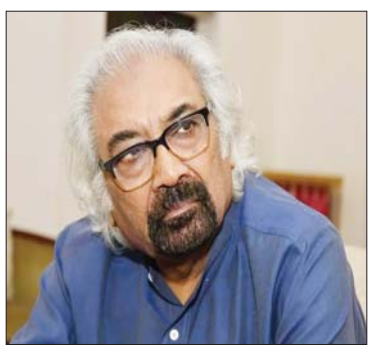
## विदेश में रहने वाले भारतीय नागरिक भी कर सकते हैं मतदान



नई दिल्ली। विदेशों में रह रहे भारतीय नागरिक भी लोकतांत्रित प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं और मतदाता सूची में नाम दर्ज करवा सकते हैं. प्रवासी भारतीय अपना नाम उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची में दर्ज कराकर विधानसभा चुनावों में मतदान कर सकते हैं. इसके लिए उन्हें फॉर्म-6ए (Form 6A) भरकर प्रवासी भारतीय निर्वाचक के रूप में रजिस्ट्रेशन कराना होगा. हालांकि इसके लिए कुछ शर्तें भी रखी गई है. मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा के अनुसार, इस सुविधा का लाभ वही प्रवासी भारतीय उठा सकते हैं जो भारत के नागरिक हों और जिन्होंने किसी अन्य देश की नागरिकता ग्रहण न की हो. आवेदक की आयु 1 जनवरी, 2027 तक कम से कम 18 वर्ष पूरी होनी चाहिए. प्रवासी भारतीय का नाम उसी विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में दर्ज किया जाएगा, जहां का पता उनके भारतीय पासपोर्ट में दिया गया है. प्रवासी भारतीय निर्वाचक के रूप में रजिस्ट्रेशन के लिए निर्वाचन आयोग ने कई विकल्प उपलब्ध कराए हैं आवेदक चुनाव आयोग के आधिकारिक पोर्टल (voters.eci.gov.in) या ईसीआईनेट मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. ऑनलाइन आवेदन करते समय पासपोर्ट आकार की रंगीन फोटो और भारतीय पासपोर्ट की सेल्फ अटेस्टेड कॉपी अपलोड करनी होंगी. वहीं जो लोग ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन कराना चाहते हैं, उन्हें संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ERO) कार्यालय में फॉर्म-6ए और पासपोर्ट की कॉपी जमा कराना होगा. इसके साथ ही मूल पासपोर्ट भी वेरिफिकेशन के लिए दिखाना होगा. इसके अलावा डाक के जरिए आवेदन भेजने की भी व्यवस्था है, जिसके तहत पासपोर्ट आकार की फोटो और भारतीय पासपोर्ट की सेल्फ अटेस्टेड कॉपी भेजनी होंगी.

## 'सैम पित्रोदा को बर्खास्त करें'; मोदी की तारीफ के बाद कांग्रेस में उठी मांग, खरगे को चिट्ठी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करना इंडियन ओवरसीज कांग्रेस (IOC) के अध्यक्ष सैम पित्रोदा को भारी पड़ गया है। उनके इस बयान को लेकर पार्टी में अंदरूनी कलह शुरू हो गई है। आईओसी के उपाध्यक्ष जॉर्ज अब्राहम और कनाडा में रहने वाले कांग्रेस कार्यकर्ता देवांशु नारंग ने सैम पित्रोदा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और उन्हें पद से हटाने की मांग की है। नारंग ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखकर सैम पित्रोदा के बयान कोशर्मनाक बताया है। नारंग का कहना है कि प्रधानमंत्री की तारीफ करने से पार्टी के कई कार्यकर्ता हैरान और निराश हैं। उन्होंने पार्टी आलाकमान से मांग की है कि सैम



पित्रोदा को तुरंत इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से बर्खास्त किया जाए। वहीं, आईओसी के उपाध्यक्ष जॉर्ज अब्राहम ने सैम पित्रोदा को एक ईमेल भेजकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। अब्राहम ने पित्रोदा द्वारा पीएम मोदी को बेहद मिलनसार, दयालु और स्नेही व्यक्ति बताए जाने पर सवाल उठाए हैं। उनका मानना है कि प्रवासी भारतीयों के बीच पीएम मोदी की पहले से ही मजबूत पकड़ है और ऐसे में जब कांग्रेस की विदेशी इकाई का प्रमुख ही उनकी खुलकर तारीफ करेगा तो आम लोग निजी दोस्ती और राजनीतिक समर्थन के बीच का फर्क नहीं समझ पाएंगे। अब्राहम ने अपने ईमेल में लिखा कि राजनीतिक शिष्टाचार अपनी जगह है, लेकिन सत्ता के इस्तेमाल और आम नागरिकों पर पड़ने वाले उसके असर को किसी नेता के चरित्र से अलग करके नहीं देखा जा सकता है। उन्होंने कहा इतिहास किसी नेता का मूल्यांकन इस बात से नहीं करता कि वह अपने दोस्तों के साथ कितना अच्छा व्यवहार करता है, बल्कि इससे करता है कि वह समाज के सबसे कमजोर वर्गों के साथ कैसा बर्ताव करता है। अब्राहम ने गुजरात दंगों और मणिपुर हिंसा का जिक्र करते हुए पूछा कि हिंसा शुरू होने के दो साल से अधिक समय बाद प्रधानमंत्री ने मणिपुर का पहला दौरा किया उस समय पीड़ितों के प्रति वह करुणा और स्नेह कहां था? इसके अलावा उन्होंने धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ती कथित कट्टरता और एफसीआरए (FCRA) नियमों को सख्त किए जाने पर भी चिंता जताई।

## ऑटो-रिक्शा चलाने वाले की बेटी ने ऑटोमोबाइल कोर्स में कर दिया टॉप; अब पीएम मोदी देंगे इनाम

नई दिल्ली। ऑटोमोबाइल कोर्स करते हुए आपने ज्यादातर लड़के ही देखे होंगे, लेकिन एक लड़की ने इस पूरे ट्रेंड को बदलकर रख दिया है. ओडिशा में ऑटो रिक्शा चलाने वाले की बेटी ने ऑटोमोबाइल कोर्स में ऑल इंडिया रैंक-1 हासिल की है. सुप्रीति महापात्रा की इस उपलब्धि के बाद उन्हें तमाम बड़े सम्मान मिल रहे हैं और अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें इनाम देंगे. सुप्रीति ने ऑटोमोबाइल ट्रेड में दो साल का कोर्स पूरा किया और 1200 में से



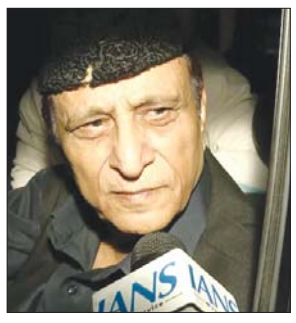
1194 नंबर हासिल कर टॉप कर दिया. वो ओडिशा से आने वाली पहली लड़की हैं, जिसने पहली बार टॉप पोजिशन हासिल की है. सुप्रीति महापात्रा ने पुरी के गवर्नमेंट इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (ITI) से पढ़ाई की, उनके टॉप करने के बाद परिवार ने मिठाइयां बांटकर कामयाबी का जश्न मनाया. सुप्रीति एक बेहद साधारण परिवार से आती हैं और उनके पिता चक्रपाणि महापात्रा ऑटो-रिक्शा चलाने का काम करते हैं. अब सुप्रीति को 22 नवंबर को लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान खुद पीएम मोदी सम्मानित करेंगे. सुप्रीति ने इस कामयाबी के पीछे अपने माता-पिता के साथ टीचर्स का भी आभार जताया.

## आजम खान अभी बाहर ही रहेंगे... दोबारा जेल भेजने की ईडी की कोशिशों को सुप्रीम कोर्ट से झटका

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान की अंतरिम जमानत के खिलाफ दायर ईडी की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को खारिज कर दिया. यह मामला 'मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी' से जुड़ी कथित वित्तीय अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा है. गुरुवार को अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने आजम खान को मिली अंतरिम जमानत भी बरकरार रखी है.

जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस पीबी वराले की बेंच ने गुरुवार को सुनवाई करते हुए आजम खान के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश में दखल देने से इनकार कर दिया.

केंद्रीय एजेंसी ईडी की ओर से



कोर्ट में पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने दलील देते हुए कहा कि हाईकोर्ट ने आजम खान को गिरफ्तारी के आधार बताए जाने से जुड़े तथ्यों को गलत तरीके से दर्ज किया है. इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह सिर्फ अंतरिम जमानत देने का आदेश है, इसलिए कोर्ट इसमें कोई दखल नहीं देगा और न ही हाईकोर्ट के इरादों पर कोई सवाल उठाएगा. इलाहाबाद हाई कोर्ट ने 17 नवंबर को आजम खान को अंतरिम जमानत दी. अपने आदेश में हाईकोर्ट ने कहा कि ईडी उनकी गिरफ्तारी के दौरान जरूरी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करने में विफल रही. ईडी ने खान को 31 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था. इससे कुछ वक्त पहले ही वे रामपुर जिला जेल से एक अलग मामले (दो पैन कार्ड रखने का मामला) में जमानत पर बाहर आए थे. हाईकोर्ट से अंतरिम जमानत के बाद आजम खान को बुधवार को गाजियाबाद की डासना जिला जेल से रिहा किया गया.

**ट्रंप–जिनपिंग संग ऐतिहासिक बैठक में बोले पुतिन**

## रूस-चीन और स मिलकर स्थिर दुनिया बना सकते हैं

शेनझेन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ ऐतिहासिक बैठक में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि रूस, चीन और अमेरिका मिलकर एक स्थिर दुनिया बना सकते हैं। तीनों के बीच यह ऐतिहासिक बैठक शेनझेन में हो रही है। मीटिंग की शुरुआत में ट्रंप ने कहा कि पुतिन और जिनपिंग के साथ होना, उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने यह भी कहा कि तीनों रूस-यूक्रेन युद्ध समेत कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने ट्रंप और जिनपिंग से कहा, ''अगर रूस, चीन और अमेरिका मिलकर



काम करें तो वे ग्लोबल स्थिरता को मजबूत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिनपिंग और ट्रंप को वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों के साथ एनर्जी सिक्योरिटी पर भी चर्चा करनी चाहिए। बैठक में ट्रंप ने कहा, 'मुझे खुशी है कि इस ट्रिप ने हमें अमेरिका, रूस और चीन के नेताओं के बीच पहली बार त्रिपक्षीय मीटिंग का मौका भी दिया है और आज इस मायने में और मुझे लगता है कि कई दूसरे तरीकों से, हम सच में इतिहास बना रहे हैं। पुतिन ने ट्रंप और जिनपिंग से कहा कि यूक्रेन युद्ध को सुलझाने में उनके तीनों देशों का इंटरेस्ट है और ग्लोबल शांति और सुरक्षा की जिम्मेदारी है। उन्होंने आगे कहा, ''जब क्षेत्रीय झगड़ों को सुलझाने की बात आती है, तो हमारे देशों के कई मिलते-जुलते इंटरेस्ट हैं, जिसमें बेशक यूक्रेन का झगड़ा भी शामिल है।''

उन्होंने कहा कि इंटरनेशनल शांति और सिक्योरिटी बनाए रखने की उनकी शेयर्ड रिस्पॉन्सिबिलिटी है और बंद कमरे में होने वाली बातचीत में फूड और एनर्जी सिक्योरिटी पर भी बात होगी ये दोनों ही ईरान और यूक्रेन युद्धों की वजह से बिगड़ गए हैं।

**बैठक पर जिनपिंग ने ताइवान पर क्या कहा?**

चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, शी जिनपिंग और डोनाल्ड ट्रंप के बीच बातचीत के बाद, चीन के राष्ट्रपति ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका को ताइवान पर सही काम करना चाहिए ताकि चीन-अमेरिका रिश्तों में बड़े झटकों से बचा जा सके। शिन्हुआ ने बताया कि शी और ट्रंप के बीच मीटिंग पॉजिटिव और कंस्ट्रक्टिव थी और उन्होंने यह भी कहा कि वे अपने कंस्ट्रक्टिव, स्ट्रेटेजिक रूप से स्थिर रिश्ते के लिए एक एक्शन प्लान बनाने पर सहमत हुए।

# विधायक खुशाल सिंह अधिकारी के खिलाफ चुनाव याचिका खारिज, बोले — सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं

**पूर्व विधायक पूरन सिंह फर्त्याल ने दायर की थी याचिका, साढ़े चार साल चली कानूनी लड़ाई**

**रैली के दौरान हुई नारेबाजी पर भी दी सफाई, कहा — 2027 की तैयारी में पूरी ताकत से जुटा**



**के.के.पी संवाददाता**

**लोहाघाट।** क्षेत्रीय विधायक और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता खुशाल सिंह अधिकारी के लिए बुधवार का दिन दोहरी खुशी लेकर आया। एक ओर उन्होंने रामलीला मैदान में बड़ी रैली कर पार्टी की प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा और वरिष्ठ नेताओं के सामने अपनी ताकत दिखाई, वहीं उसी दिन पूर्व भाजपा विधायक पूरन सिंह फर्त्याल द्वारा उनके खिलाफ दायर याचिका को न्यायालय ने खारिज कर दिया। गुरुवार को अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में विधायक अधिकारी ने कहा कि सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं हो सकता।

उन्होंने बताया कि साढ़े चार साल तक चले इस मामले में वे नैनीताल हाईकोर्ट में 103 बार और सर्वोच्च न्यायालय में करीब एक दर्जन बार पेश हुए। उन्होंने कहा कि इस दौरान वे तनाव में जरूर रहे, लेकिन उन्हें ईश्वर, न्यायपालिका और जनता के आशीर्वाद पर पूरा भरोसा था। उन्होंने आरोप लगाया कि इस दौरान राज्य सरकार की ओर से उन्हें परेशान करने की हर संभव कोशिश की गई।

विधायक ने न्यायालय, अपनी पैरवी करने वाले अधिवक्ताओं और लोहाघाट क्षेत्र की जनता का आभार जताया। उन्होंने कहा कि न्यायालय के फैसले और रैली में मिले जनसमर्थन ने उनकी ताकत कई गुना बढ़ा दी है और अब वे पूरी क्षमता से लोगों के बीच काम करेंगे। उन्होंने दावा किया कि वे 2027 के चुनाव की तैयारी में पूरी ताकत से जुट गए हैं।

रैली के दौरान हुई नारेबाजी पर विधायक ने कहा कि जिलाध्यक्ष को दो बार के विधायक रहे हिमेश खर्कवाल ने स्वयं उठकर मंच पर बैठने का आग्रह किया था, लेकिन वे नहीं बैठे। मुन्ना सिंह ढेक को मंच से बोलने न देने के सवाल पर उन्होंने कहा कि प्रदेश प्रभारी और अन्य नेता मानेश्वर में उनके समर्थकों का प्रदर्शन देख चुके थे और उनका स्पष्ट मत था कि पार्टी की बात पार्टी के मंच के भीतर ही होनी चाहिए।

इस अवसर पर मौजूद वरिष्ठ नेता भगीरथ भट्ट ने कहा कि शीर्ष नेताओं के सामने कुछ कार्यकर्ताओं का व्यवहार ठीक नहीं था और यह कांग्रेस की संस्कृति नहीं है। उन्होंने संगठन की ओर से विधायक को बधाई दी।

# ईवीएम-वीवीपैट के प्रदर्शन एवं मॉक पोल के माध्यम से मतदाताओं को किया जा रहा जागरूक, मतदान प्रक्रिया की दी जा रही व्यावहारिक जानकारी

**के.के.पी संवाददाता**

**रामनगर।** निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के क्रम में जनपद नैनीताल में ईवीएम एवं वीवीपैट जागरूकता अभियान के तहत आमजन को मतदान प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में विधानसभा क्षेत्र 61-रामनगर के पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज, रामनगर में ईवीएम एवं वीवीपैट प्रदर्शन केंद्र के माध्यम से नागरिकों को मतदान प्रक्रिया की जानकारी दी गई।




यह जानकारी देते हुए सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी एचडी पाण्डेय ने बताया कि प्रदर्शन केंद्र में आम नागरिकों को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) एवं वीवीपैट मशीन की कार्यप्रणाली से अवगत कराया जा रहा है। इस दौरान लोगों को ईवीएम के माध्यम से मतदान करने की प्रक्रिया का प्रत्यक्ष प्रदर्शन करते हुए मॉक पोल भी कराया जा रहा है, ताकि वे स्वयं मतदान प्रक्रिया को समझ सकें।

अभियान के तहत नागरिकों को बताया जा रहा है कि ईवीएम में वोट दर्ज करने के पश्चात वीवीपैट मशीन की पारदर्शी खिड़की में संबंधित प्रत्याशी के नाम एवं चुनाव चिह्न वाली पर्ची दिखाई देती है, जिससे मतदाता अपने द्वारा डाले गए वोट की पुष्टि कर सकते हैं। इसके साथ ही ईवीएम एवं वीवीपैट की कार्यप्रणाली, सुरक्षा और पारदर्शिता से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जानकारी भी दी जा रही है।

उन्होंने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य मतदाताओं के मन में मतदान प्रक्रिया की पारदर्शिता के प्रति जागरूक करना तथा शंकाओं एवं भ्रांतियों को दूर करना, ईवीएम एवं वीवीपैट की कार्यप्रणाली के प्रति विश्वास बढ़ाना तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। विशेष रूप से युवाओं एवं नए मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया की जानकारी देकर उन्हें जागरूक और जिम्मेदार मतदाता बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा जनपद में निर्वाचन संबंधी जागरूकता गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक नागरिक मतदान प्रक्रिया को समझें और लोकतंत्र के इस महत्वपूर्ण पर्व में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

## पीआरडी जवान एक दिन काम से दूर रहे, तो खाली-खाली दिखे दफ्तर

**समान वेतन और पूरे साल रोजगार की मांग पर सामूहिक अवकाश, सरकार से जल्द फैसले की अपील**



**के.के.पी संवाददाता/चम्पावत।** सरकारी दफ्तरों से लेकर अस्पतालों तक हर जगह व्यवस्था संभालने वाले पीआरडी जवान जब एक दिन काम पर नहीं पहुंचे, तो उनकी कमी हर जगह महसूस हुई। समान कार्य के लिए समान वेतन और साल के 365 दिन रोजगार की मांग को लेकर प्रांतीय रक्षक दल के जवानों ने सामूहिक कार्य बहिष्कार कर धरना दिया। जवानों का कहना है कि वे दफ्तरों में समय की परवाह किए बिना पूरी जिम्मेदारी से काम करते हैं और बुलाए जाने पर कभी भी हाजिर रहते हैं। चतुर्थ श्रेणी के पद मृत संवर्ग घोषित होने के बाद वही काम पीआरडी जवान कर रहे हैं, फिर भी उन्हें उतना मानदेय नहीं मिलता। इसी को लेकर उनमें लंबे समय से नाराजगी है। पीआरडी हित संगठन के अध्यक्ष भैरव दत्त जोशी ने कहा कि आंदोलन पूरी तरह सफल रहा और लोगों ने भी जवानों का साथ दिया। उन्होंने कहा कि जवान आंदोलन के आदी नहीं हैं, लेकिन लगातार अनदेखी के कारण उन्हें यह कदम उठाना पड़ा। उन्होंने सरकार से मांगों पर जल्द और गंभीरता से निर्णय लेने की अपील की।

## सीबीआई ने किया भ्रष्टाचार के प्रति जागरूकता अभियान

**के.के.पी संवाददाता/अल्मोड़ा,** गुरुवार को सीबीआई, देहरादून के दो सदस्यीय दल एसएस वर्मा और ऋषिपाल मीना उप निरीक्षक द्वारा अल्मोड़ा, हल्द्वानी, रुद्रपुर के विभिन्न जगहों पर लोगों को भ्रष्टाचार के खिलाफ शिकायत करने के लिए जागरूक किया।इस अवसर पर सीबीआई द्वारा जारी फ़ोन नंबर एवं श्री वर्मा द्वारा अपने फ़ोन 9068433939, 9421032780, 9897818483 भी लोगों को दिए गए, जिससे कि कोई भी भ्रष्टाचार की शिकायत इन नंबरों पर कर सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि भ्रष्टाचार से डरें नहीं, इस पर प्रहार करें। हम आपके साथ हैं।उन्होंने बताया कि उत्तराखंड में कोई भी केन्द्रीय अधिकारी या कर्मचारी (जैसे इनकम टैक्स, सेंट्रल एक्साइज वायुसेना, जलसेना, सेना, राष्ट्रीयकृत या प्राइवेट बैंक, बीएसएनल,बी एच ई एल, कैन्टोनमेंट बोर्ड,ईपीएफओ ओएनजीसी , रेलवे, एल आई सी इन्श्योरेंस, एम्स एजी ऑफिस,पासपोर्ट, आई आर डी ऑर्डिनेन्स, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, सर्वे ऑफ इंडिया, सेना, पैरा मिलिट्री, आईआईपी, जीएसटी, सैन्य केन्टीन, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, नवोदय विद्यालय, केन्द्रीय विद्यालय, पोस्ट ऑफिस इत्यादि) सरकारी कार्य करने के लिए रिश्वत मांगता है, तो उनकी शिकायत सीबीआई को करें।

## दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को नि :शुल्क सहायक उपकरण के लिए लगेंगे आकलन शिविर

**के.के.पी संवाददाता/अल्मोड़ा।** भारत सरकार की एडिप योजना एवं राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत जनपद के दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न विकासखंडों एवं शहरी क्षेत्र में आकलन शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों में पात्र लाभार्थियों की जरूरत के अनुसार कान की मशीन, व्हीलचेयर, कमोड व्हीलचेयर, कमोड चेयर, वॉकर, छड़ी, कमर व घुटने की बेल्ट, कुशन सहित अन्य उपकरणों के लिए आकलन किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 25 नवंबर को भैंसियाछाना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धौलछीना, 26 नवंबर को ताड़ीखेत विकासखंड परिसर, 27 नवंबर को चौखुटिया विकासखंड परिसर और 28 नवंबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ताकुला में प्रातः 11 बजे से शिविर होंगे। 29 नवंबर को हवालबाग के विकास भवन, दोलाघाट में प्रातः 11 बजे, जबकि 30 नवंबर को धौलादेवी विकासखंड परिसर में प्रातः 10 बजे और लमगड़ा विकासखंड परिसर में अपराह्न 2 बजे शिविर आयोजित होगा।

## सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कुणाल शर्मा की हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय की तृतीय वर्ष (वर्ष 2021) की मूल अंकतालिका (मार्कशीट) दिनांक 13 नवंबर 2026 को कहीं गुम हो गई है। काफी तलाश करने के बावजूद अंकतालिका नहीं मिल पाई है।

इस संबंध में शपथकर्ता द्वारा नोटरी के समक्ष शपथ पत्र प्रस्तुत कर अंकतालिका गुम होने की सूचना दी गई है तथा आवश्यक रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त अंकतालिका प्राप्त होती है अथवा इसके संबंध में कोई जानकारी मिलती है, तो कृपया संबंधित व्यक्ति को सूचित करने का कष्ट करें। उक्त गुमशुदा अंकतालिका का किसी भी व्यक्ति द्वारा अनुचित प्रयोग किए जाने की स्थिति में संबंधित व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार होगा।

**शपथकर्ता : कुणाल शर्मा**

# उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की शोध पत्रिका 'विदुषी संवाद' के प्रथम अंक का एकादश दीक्षांत समारोह में विमोचन



**के.के.पी संवाददाता**

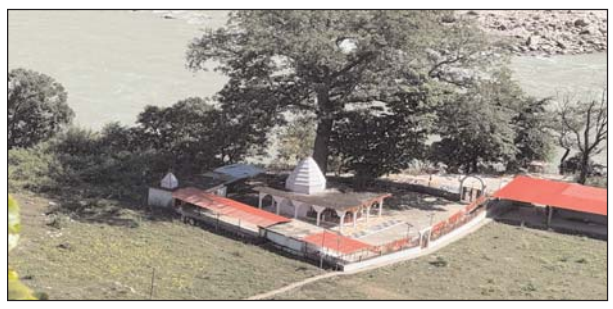
**हल्द्वानी।** उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के एकादश दीक्षांत समारोह के अवसर पर बुधवार, 18 नवम्बर को विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति एवं उत्तराखण्ड के राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन जी द्वारा विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र की अर्धवार्षिक शोध पत्रिका 'विदुषी संवाद' के प्रथम अंक का विमोचन किया गया। इस अवसर पर उत्तराखण्ड के माननीय उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत जी तथा समारोह में उपस्थित अन्य गणमान्य अतिथि भी मौजूद रहे।

'विदुषी संवाद' एक पीयर-रिव्यूड (समकक्ष-समीक्षित) एवं रेफर्ड शोध पत्रिका है, जिसमें महिला-केंद्रित विषयों, विशेष रूप से उत्तराखण्ड की महिलाओं से जुड़े सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं समकालीन विमर्शों को अकादमिक दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया गया है। पत्रिका में उत्तराखण्ड की महिलाओं के विविध अनुभवों, योगदान, चुनौतियों एवं संभावनाओं से संबंधित एक दर्जन से अधिक शोध आलेख प्रकाशित किए गए हैं। इसका उद्देश्य महिला विषयक अध्ययन एवं शोध को अकादमिक मंच प्रदान करना तथा संबंधित विषयों पर सार्थक बौद्धिक विमर्श को प्रोत्साहित करना है।

पत्रिका का संपादन उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की समाज विज्ञान विद्याशाखा की निदेशक प्रो. रेनू प्रकाश द्वारा किया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा महिला अध्ययन एवं शोध के क्षेत्र में अकादमिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में यह एक महत्त्वपूर्ण प्रयास है।

# 23 नवंबर की रात नगरूंघाट में गूंजेंगे देवताओं के जयकारे, लगेगा विशाल मेला

**महाकाली नदी तट पर रातभर होगी देवरथों और देव जत्थों की परिक्रमा, भजन-कीर्तन और झोड़ा गायन रहेगा आकर्षण**



**के.के.पी संवाददाता**

**चंपावत।** लोहाघाट विकासखंड के भारत-नेपाल सीमा से लगे पासम ग्राम पंचायत में महाकाली नदी के तट पर स्थित नागार्जुन बाबा मंदिर नगरूंघाट में 23 नवंबर की रात बैकुण्ठ चतुर्दशी के अवसर पर पारंपरिक नगरूंघाट मेले का आयोजन होगा। मेले में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचने वाले देवरथ और देव जत्थे रातभर मंदिर की परिक्रमा करेंगे। अगले दिन सुबह देवताओं को महाकार्तिकी पूर्णिमा का स्नान कराया जाएगा।

मेले की तैयारियों को लेकर मंदिर एवं मेला समिति की बैठक हुई। इसमें बिजली, पानी, सड़क और अन्य व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। समिति ने इस वर्ष मेले को पूरी तरह नशामुक्त रखने का निर्णय लिया है। मेले में पारंपरिक धार्मिक आयोजनों के साथ भव्य गंगा आरती, भजन-कीर्तन और झोड़ा गायन भी होगा। मेला समिति के अध्यक्ष जगदीश कलौनी और सचिव कमल बोहरा ने बताया कि सल्टा, बगोटी और जमरसों गांवों से चार देवरथ मेले में पहुंचेंगे। वहीं मजपीपल, लेटी, पासम, डुमडाई, देवकुंडा और सुनकुरी सहित विभिन्न गांवों के देव जत्थे रातभर मंदिर की परिक्रमा करेंगे। खटीमा और गुमदेश क्षेत्र की भजन मंडलियां भजन प्रस्तुत करेंगी, जबकि लोहाघाट के श्रद्धालु झोड़ा गायन से समां बांधेंगे। मेले में विभिन्न समाजसेवियों का अतिथि के रूप में स्वागत भी किया जाएगा। समिति ने श्रद्धालुओं से धार्मिक परंपराओं का सम्मान करते हुए नशामुक्त मेले के आयोजन में सहयोग की अपील की है।

बैठक में कोषाध्यक्ष रमेश चंद, मेला प्रभारी विक्रम सिंह सामंत, ग्राम प्रधान चंद्रकांत तिवारी सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे।

## जनगणना-2027 : स्व-गणना के प्रति जागरूकता एवं जनभागीदारी बढ़ाने हेतु बैठक आयोजित



**के.के.पी संवाददाता**

**भीमताल।** विकास भवन सभागार में मंत्री राम सिंह कैड़ा की अध्यक्षता में जनगणना-2027 के अंतर्गत स्व-गणना (Self Enumeration) को लेकर जागरूकता बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर मंत्री ने स्वयं अपनी स्व-गणना कर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों को इस महत्वपूर्ण अभियान में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया। बैठक में जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों को स्व-गणना की प्रक्रिया, इसके महत्व तथा ऑनलाइन स्व-गणना करने की विधि के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

मंत्री ने सभी से अपील की कि वे स्वयं एवं अपने परिवार की स्व-गणना अवश्य करें और अपने क्षेत्र के अधिक से अधिक नागरिकों को भी इसके लिए जागरूक करें।

उन्होंने कहा कि स्व-गणना की प्रक्रिया अत्यंत सरल एवं सुविधाजनक है। जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है।

# राष्ट्रीय स्तरीय सरस मेले की तैयारियों को लेकर खंड विकास कार्यालय हल्द्वानी में बैठक आयोजित, 20 नवंबर से स्वयं सहायता समूहों के स्टॉल का पंजीकरण होगा ऑफलाइन शुरू

**के.के.पी संवाददाता**

**हल्द्वानी।** एम.बी. इंटर कॉलेज मैदान हल्द्वानी में 24 नवंबर से 3 दिसंबर 2026 तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्तरीय सरस मेले की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं को लेकर परियोजना निदेशक शिल्पी पंत की अध्यक्षता में खंड विकास कार्यालय हल्द्वानी के सभागार में बैठक आयोजित की गई।



बैठक में मेले के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर विभिन्न व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। मेले में देशभर से आने वाले स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों के प्रदर्शन एवं विपणन के लिए लगभग 250 स्टॉल लगाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागों के स्टॉल भी मेले में स्थापित किए जाएंगे।

बैठक में जानकारी दी गई कि दिनांक 20 नवंबर 2026 से मेले में स्टॉल लगाने के इच्छुक समस्त स्वयं सहायता समूहों का ऑफलाइन पंजीकरण एमबी इंटर कॉलेज मैदान में ही प्रारंभ किया जाएगा। संबंधित समूहों से निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपना पंजीकरण कराने की अपील की गई।

बैठक में मेले के दौरान स्टॉल आवंटन, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, साफ-सफाई, सुरक्षा, यातायात एवं पार्किंग, चिकित्सा सुविधा, अग्निशमन व्यवस्था, सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा प्रचार-प्रसार सहित विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही सभी संबंधित विभागों के बीच आपसी समन्वय स्थापित करते हुए तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने पर जोर दिया गया, ताकि मेले में आने वाले प्रतिभागियों एवं आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

राष्ट्रीय स्तरीय सरस मेला ग्रामीण महिलाओं एवं स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन, विपणन तथा स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण मंच है। मेले के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों के पारंपरिक उत्पादों, हस्तशिल्प एवं स्थानीय व्यंजनों को भी व्यापक पहचान मिलेगी।

बैठक में परियोजना निदेशक शिल्पी पन्त, सहायक परियोजना अधिकारी चंद्रा फत्याल, जिला आपूर्ति अधिकारी मनोज बर्मन सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं रीप और एनआरएलएम परियोजना के अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

# ऑल इंडिया फायर सर्विस स्पोर्ट्स मीट-2026 में नैनीताल फायर सर्विस का शानदार प्रदर्शन

**दिव्या डांगी ने जीते गोल्ड एवं सिल्वर मेडल**



**के.के.पी संवाददाता**

**हल्द्वानी/नैनीताल।** विगत माह की दिनांक 27.10.2026 से 31.10.2026 तक बेंगलुरु, कर्नाटक में आयोजित wnd All India Fire Service Sports Meet-2026 में फायर स्टेशन हल्द्वानी से FW दिव्या डांगी एवं स्नरू त्रिलोक सिंह बिष्ट द्वारा प्रतिभाग कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया।

उक्त प्रतियोगिता में FW दिव्या डांगी ने 52 मंजिला Stair Run प्रतियोगिता में फुल फायर फाइटिंग गियर के साथ प्रतिभाग करते हुए स्वर्ण पदक (Gold Medal) तथा कैजुअल गियर के साथ प्रतिभाग करते हुए रजत पदक (Silver Medal) प्राप्त कर जनपद नैनीताल एवं उत्तराखंड का गौरव बढ़ाया।

FM त्रिलोक सिंह बिष्ट द्वारा ग्रुप इवेंट के अंतर्गत आयोजित Truck Pull प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक (Bronze Medal) प्राप्त किया गया।

इस उपलब्धि पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टी.सी. द्वारा दोनों खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। उन्होंने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार मेहनत, लगन एवं समर्पण के साथ नई उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया।

# मानदेय बढ़ाने और नियमितीकरण की मांग को लेकर आशा कार्यकर्ताओं ने निकाला जुलूस

**के.के.पी संवाददाता**

**अल्मोड़ा।** स्कीम वर्करों के महापड़ाव के तहत गुरुवार को सेंट्रल ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीटू) के बैनर तले आशा कार्यकर्ताओं ने अल्मोड़ा में धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान चौघानपाटा गांधी पार्क से मालरोड होते हुए मुख्य बाजार तक जुलूस निकाला गया। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र और धामी सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आशा कार्यकर्ताओं का मानदेय बढ़ाने और उन्हें नियमित करने की मांग उठाई। जुलूस से पहले गांधी पार्क में हुई सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारने में स्कीम वर्करों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इन योजनाओं का संचालन भारत सरकार करती है, लेकिन वर्ष 2021 के बाद से केंद्र सरकार ने उनके मानदेय में कोई बढ़ोतरी नहीं की है। उन्होंने कहा कि 15वें भारतीय श्रम सम्मेलन की सिफारिशों और अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्यों के आधार पर न्यूनतम मजदूरी 42 हजार रुपये निर्धारित की जानी चाहिए। आशा कार्यकर्ताओं ने न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपये प्रतिमाह करने और आशाओं को नियमित कर राज्य कर्मचारी का दर्जा देने की मांग की। उनकी मांगों के समर्थन में जनवादी महिला समिति की प्रदेश अध्यक्ष सुनीता पांडे और नौजवान सभा के प्रदेश अध्यक्ष यूसुफ तिवारी ने भी विचार रखे। प्रदर्शन का नेतृत्व सीटू की जिला संयोजक एवं आशा कार्यकर्ता नेत्री विजयलक्ष्मी ने किया। इस दौरान आशा वर्कर सचिव आनंदी मेहरा, भगवती आर्य, ममता भट्ट, देवकी बिष्ट, प्रभा नेगी, भैसियाछाना ब्लॉक से खीमा रावत और मंजू भट्ट, लमगड़ा से हेमा पवार, हंसी मेर, दया देवी सहित बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ता मौजूद रहीं।



# कुंती नाले के निर्माण में तेजी लाने के डीएम ने दिए निर्देश, गुणवत्ता से समझौता नहीं





**के.के.पी संवाददाता**

जिलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे ने आज मंडलसेरा स्थित निर्माणाधीन कुंती नाले का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग के अभियंताओं को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य की स्पष्ट एवं चरणबद्ध समयसीमा निर्धारित करते हुए कार्य पूर्ण होने की निश्चित तिथि उपलब्ध कराई जाए। साथ ही निर्माण कार्य की नियमित प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि कुंती नाला दीर्घकालिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण परियोजना है। इसके निर्माण में नगर पालिका एवं लोक निर्माण विभाग के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए संपूर्ण ड्रेनेज व्यवस्था का समग्र परीक्षण किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि नाले से जुड़ने वाला कोई भी ड्रेनेज पॉइंट छूटने न पाए तथा कहीं भी ऐसा गड्ढा अथवा जल निकासी का स्थान न रहे, जो मुख्य ड्रेनेज व्यवस्था से जुड़ा न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि भविष्य में जल निकासी को लेकर किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो, इसके लिए अभी से समुचित एवं स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए।

जिलाधिकारी ने नाले के उद्गम स्थल पर निर्मित कलमठ से लेकर सड़क तक की व्यवस्था को भी सुव्यवस्थित करने के लिए आवश्यक प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परियोजना का निर्माण एक समग्र एवं दीर्घकालिक कार्ययोजना के अनुरूप किया जाए, ताकि भविष्य में जल निकासी की समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सर्वोपरि है तथा गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करने एवं मानकों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस दौरान सिंचाई विभाग के अधिकारी एवं तहसीलदार ऋतु गोस्वामी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

# राइंका लामाचौड़ में विकासखंड स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता आयोजित, राइंका राजपुरा विजेता



**के.के.पी संवाददाता**

**कालाढूंगी।** राजकीय इंटर कॉलेज लामाचौड़, हल्द्वानी में गुरुवार को विकासखंड स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 9:30 बजे दीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना और स्वागत गीत के साथ हुआ.

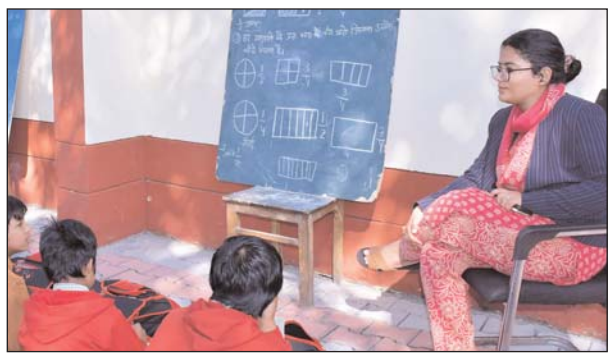
प्रतियोगिता में हल्द्वानी विकासखंड के सात विद्यालयों–राबाइंका धौलाखेड़ा, राइंका दौलतपुर, राइंका राजपुरा, राइंका मोतीनगर, राइंका लामाचौड़, राइंका कठघरिया और अटल उत्कृष्ट राइंका फूलचौड़–के 11-11 विद्यार्थियों के दलों ने भाग लिया. छात्रों ने बाल संसद के स्वरूप के अनुरूप संसदीय कार्यप्रणाली, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनहित के मुद्दों पर अपने विचार रखे. इस प्रतियोगिता में राइंका राजपुरा, हल्द्वानी ने विजेता होने का गौरव हासिल किया.

?मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य (रामणी आनसिंह) डॉ. छवि काण्डपाल बोरा ने विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सजग और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया. स्थल संयोजक एवं प्रधानाचार्य कौस्तुभानन्द लोहनी ने कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों में संवाद, सहिष्णुता और तार्किक विमर्श की क्षमता विकसित करते हैं.

कार्यक्रम के सफल संचालन में बी.एड. प्रशिक्षुओं का योगदान उल्लेखनीय रहा. संचालन ओमप्रकाश त्रिपाठी ने किया तथा आयोजन को सफल बनाने में हेमन्त कुमार डुंगराकोटी, योगेश चन्द्र जोशी, मोहन चन्द्र जोशी, विद्या आर्या, गणेश चन्द्र उपाध्याय, दीपक पाण्डेय, डॉ. घनश्याम भट्ट, गिरीश चन्द्र आर्या, हरगोविन्द पाठक, राजेन्द्र मोहन पडलिया, बृजेश्वरी बिष्ट, सुमनलता और मोहन सिंह रावत सहित अन्य सदस्यों का सहयोग रहा.

# डीएम अपूर्वा पाण्डे ने वृद्धाश्रम और बालिका आश्रम विद्यालय का किया निरीक्षण, व्यवस्थाएं सुधारने के दिए निर्देश





**के.के.पी संवाददाता**

जिलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे ने आज राजकीय वृद्ध एवं अशक्त आवास गृह तथा राजकीय बालिका आश्रम पद्धति विद्यालय का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने आश्रम पद्धति विद्यालय में अध्ययनरत नन्ही बालिकाओं से संवाद कर उनकी पढ़ाई, दैनिक दिनचर्या, खानपान एवं उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बालिकाओं से उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं के बारे में भी पूछा तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

वहीं, वृद्ध एवं अशक्त आवास गृह में निवासरत बुजुर्गों से बातचीत कर उनका कुशलक्षेम जाना तथा उन्हें उपलब्ध भोजन, स्वास्थ्य सेवाओं, रहने की व्यवस्था एवं अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने बुजुर्गों से उनकी व्यक्तिगत समस्याओं एवं किसी प्रकार की असुविधा के संबंध में भी पूछा।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि दोनों संस्थानों में निवासरत लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा उनकी आवश्यकताओं एवं समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ प्राथमिकता पर समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रखने और नियमित निगरानी करने के भी निर्देश दिए।

# नगर आयुक्त आशिमा गोयल के नेतृत्व में नगर निगम की पाँच टीमों द्वारा सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण

**अनुपस्थित सफाई कर्मियों एवं सफाई नायकों पर होगी सख्त कार्रवाई**

**के.के.पी संवाददाता**

हल्द्वानी। नगर निगम हल्द्वानी-काठगोदाम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने एवं सफाई कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गुरुवार को नगर आयुक्त आशिमा गोयल के नेतृत्व में पाँच अलग-अलग टीमों द्वारा विभिन्न वार्डों में प्रातःकालीन औचक निरीक्षण किया गया।



निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त आसिमा गोयल द्वारा स्वयं वार्ड संख्या 3, 4 एवं 6 का निरीक्षण किया गया। इसके अतिरिक्त नगर निगम के अन्य अधिकारियों की चार टीमों द्वारा वार्ड नंबर 11, 17, 18, 25, 26, 27, 34, 36, 37, 57, 58 एवं 60 में सफाई व्यवस्था एवं कर्मचारियों की उपस्थिति का जायजा लिया गया।निरीक्षण के दौरान विभिन्न वार्डों में कई सफाई कर्मचारी एवं सफाई नायक अपने निर्धारित कार्यस्थलों से अनुपस्थित पाए गए। इस पर नगर आयुक्त द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को अनुपस्थित कार्मिकों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

नगर आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी सफाई कर्मचारी एवं सफाई नायक निर्धारित समय पर अपने कार्यस्थल पर उपस्थित होकर पूर्ण कार्यावधि में अपने दायित्वों का निर्वहन करें। साथ ही सभी कर्मचारियों द्वारा समयबद्ध उपस्थिति दर्ज करना अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए। नगर आयुक्त ने कहा कि * 'शहर की सफाई व्यवस्था नगर निगम का चेहरा होती है। स्वच्छ एवं व्यवस्थित शहर न केवल नगर निगम की कार्यप्रणाली को दर्शाता है, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर एवं शहर की छवि से भी सीधे तौर पर जुड़ा होता है। इसलिए सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनुशासनहीनता स्वीकार नहीं की जाएगी। '

# मुख्य विकास अधिकारी अरविन्द कुमार पाण्डेय ने भरा स्व-गणना फार्म

**जनपद में अब तक स्व-गणना हेतु 3982 व्यक्तियों स्व-गणना हेतु इनरोल्ड, जिसमें से 1477 व्यक्ति भर चुके कंप्लीट फॉर्म**

**के.के.पी संवाददाता**

भीमताल। मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार पाण्डेय ने गुरुवार को अपने आवास से स्व- गणना का ऑनलाइन फॉर्म भरा। मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार पाण्डेय ने कहा कि 16 नवम्बर से 30 नवम्बर 2026 तक भारत सरकार द्वारा स्वगणना का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं है, बल्कि यह हमारे देश के भविष्य और विकास की आधारशिला है। आपकी सही जानकारी से ही सरकार को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी बेहतर योजनाएं बनाने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि जनगणना में अपनी जानकारी दर्ज कराने के लिए प्रगणक (Enumerator) के घर आने का इंतजार करने की आवश्यकता नहीं है। भारत सरकार द्वारा शुरू की गई (Self&Enumeration) सुविधा के माध्यम से आप घर बैठे, अपनी सुविधानुसार ऑनलाइन पोर्टल या मोबाइल ऐप के जरिए अपने और अपने परिवार का विवरण स्वयं भर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इससे समय की बचत आप अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी समय फॉर्म भर सकते हैं साथ ही स्वयं जानकारी ऐप में भरने से त्रुटि की सम्भावना नही रहती तथा सभी जानकारियां गोपनीय रहती हैं। उन्होने कहा जनगणना पोर्टल



(se.census.gov.in) पर जायें अपने परिवार के सभी सदस्यों का विवरण भरे तथा पोर्टल में दिये गये सभी 40 प्रश्नों का विवरण सबमिट करने के पश्चात स्वगणना आईडी को सुरक्षित रखें जब प्रगणक आपके घर आये तो उन्हें केवल आईडी दिखाए। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि सभी 40 प्रश्नों के अनुसार अपनी जानकारी रखते हुए फार्म भरें तो फार्म भरने पर आसानी से फॉर्म भरा जा रहा है। उन्होंने कहा कि फार्म भरते समय अपनी सूचनाएं एकत्र करने में समय लग सकता है, इसलिए सभी प्रश्नों के अनुरूप तैयारी कर फॉर्म भरा जाए। उन्होंने कहा कि इस बार भारत की जनगणना- 2027 में आपके लिए एक नई और आसान सुविधा शुरू की गई है - स्व-गणना (Self Enumeration)

स्व-गणना क्या है और क्यों आवश्यक है?

इसमें आप जनगणना प्रगणक के आने का इंतज़ार किए बिना, अपनी जनगणना की जानकारी खुद अपने मोबाइल / लैपटॉप से भर सकते हैं।

आप अपनी सुविधा से, अपने समय पर जानकारी भर सकते हैं

आपके द्वारा दी गई जानकारी अधिक सटीक और गोपनीय रहेगी

प्रगणक का कार्य तेज़ होगा और आपका समय बचेगा

यह पूरी तरह से वैकल्पिक और सुरक्षित है

कब से कब तक किया जाना है?

जनपद नैनीताल के लिए:

16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक (15 दिन)

किस लिंक से किया जाना है?

आधिकारिक पोर्टल: https://se.census.gov.in

बेहतर दृश्यता के लिए लैपटॉप / डेस्कटॉप का उपयोग करें। एक बार भाषा चुनने के बाद उसे बदला नहीं जा सकेगा।

कैसे किया जाना है? (बहुत आसान)

1. पोर्टल पर जाएं, अपना राज्य और पसंद की भाषा चुनें

2. जनगणना के प्रथम चरण (HLO) में दिया गया मोबाइल नंबर और ओटीपी से लॉगिन करें

3. मानचित्र पर लाल मार्कर को अपने घर के बिल्कुल सटीक स्थान पर लगाएं

4. परिवार के सभी सदस्यों का विवरण भरें - प्रश्न 1-6 हर सदस्य के लिए, प्रश्न 7-40 विस्तार से

5. जानकारी की समीक्षा करके 'परिवार प्रस्तुत करें' पर क्लिक करें

किस प्रकार के प्रश्न पूछे जाएंगे?

कुल 40 प्रश्न हैं:

प्रश्न 1-6 : नाम, मुखिया से संबंध, लिंग, जन्म तिथि व आयु, वैवाहिक स्थिति, विवाह के समय आयु

प्रश्न 7-13 : पति/पत्नी का नाम, राष्ट्रीयता, धर्म, जाति (SC/ST), माता-पिता का विवरण, दिव्यांगता

प्रश्न 14-17 : मातृभाषा, साक्षरता एवं डिजिटल साक्षरता, शिक्षा

प्रश्न 18-25 : कामकाज, व्यवसाय, उद्योग, कार्यस्थल तक की यात्रा

प्रश्न 26-30 : जन्म स्थान, पूर्व निवास, निवास अवधि, स्थायी पता

प्रश्न 31-33 : महिलाओं के लिए जीवित बच्चों की संख्या

प्रश्न 34-40 : कोविड टीकाकरण, बैंक खाता, मोबाइल, आधार, वोटर आईडी, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस

आसानी के लिए क्या-क्या तैयार रखें?

परिवार के सभी सदस्यों के पूरे नाम, जन्म तिथि और आयु

शिक्षा, काम/व्यवसाय, मातृभाषा की जानकारी

बाहर से आकर बसे सदस्यों के पूर्व निवास का पता

आधार, वोटर आईडी, बैंक खाते की जानकारी (नंबर याद हो तो काफी है, कोई दस्तावेज़ अपलोड नहीं करना)

यदि परिवार में दिव्यांगता या अन्य विशेष स्थिति है तो उसकी जानकारी

**इसके बाद क्या होगा?**

सफलतापूर्वक जमा करने पर तुरंत स्क्रीन पर 'P' अक्षर से शुरू होने वाली 11 अंकों की विशेष स्व-गणना आईडी (SE ID) दिखाई देगी और आपके मोबाइल पर स्व से भी आएगी। कृपया इसका स्क्रीनशॉट ले लें, लिखकर सुरक्षित रखें और परिवार के सभी सदस्यों के साथ साझा कर दें।

**द्वितीय चरण में प्रगणक को कैसे देनी है?**

जनगणना के द्वितीय चरण में जब प्रगणक आपके घर आएगा, तो उसे बस यह स्व ढ्ढष्ठ उपलब्ध करा दें। प्रगणक अपने मोबाइल में आईडी का मिलान करेगा। मिलान होते ही आपका डेटा स्वीकार हो जाएगा और आप दोनों के हस्ताक्षर होंगे।

# कांग्रेस की गुटबाजी से जनता में संदेश साफ, भाजपा के विकास से विपक्ष परेशान : सुरेश जोशी

**धामी सरकार के विकास कार्यों और 32 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार देने से कांग्रेस में बेचैनी : सुरेश जोशी, भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता**

**के.के.पी संवाददाता**

**पिथौरागढ़।** भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता सुरेश जोशी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस आज भारतीय जनता पार्टी की चिंता छोड़कर अपनी अंदरूनी गुटबाजी और आपसी खींचतान से ही नहीं उबर पा रही है। लोहाघाट में कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा के कार्यक्रम के दौरान जिस तरह पार्टी की गुटबाजी सामने आई और नेताओं के बीच आपसी सिर फुटव्वल देखने को मिली, वह प्रदेश में कांग्रेस की मौजूदा स्थिति को बयां करने के लिए काफी है। जोशी ने कहा कि कांग्रेस भाजपा के विकास कार्यों को लेकर परेशान और हताश है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने 32 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी देने का काम किया है। विकास के विभिन्न क्षेत्रों में उत्तराखंड आज पूरे देश में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सीमांत जनपद पिथौरागढ़ में आदि कैलाश यात्रा को नई पहचान दिलाने, एयर कनेक्टिविटी के विस्तार और स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में भाजपा सरकार ने महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। भाजपा के शासनकाल में जनपद में विकास के नए आयाम स्थापित हुए हैं, जिससे कांग्रेस की परेशानी बढ़ गई है। भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस की स्थिति आज ऐसी हो गई है कि उसे समझ नहीं आ रहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में किन मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाए। पार्टी के भीतर नेतृत्व और गुटबाजी का संकट साफ दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अपनी संभावित हार का अंदाजा अभी से होने लगा है, जबकि भाजपा सरकार विकास और जनकल्याण के एजेंडे के साथ जनता के बीच मजबूती से खड़ी है। जोशी ने ये भी कहा कि भाजपा प्रदेश में सरकार के विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर पूरी मजबूती के साथ जनता के बीच जा रही है। वहीं संगठन भी पूरी एकजुटता और मजबूती के साथ आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटा है। भाजपा सरकार के काम और संगठन की मजबूत चुनावी तैयारी को देखकर कांग्रेस में बौखलाहट साफ दिखाई दे रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस को समझ नहीं आ रहा है कि भाजपा सरकार के विकास कार्यों और मजबूत संगठनात्मक रणनीति का मुकाबला किस मुद्दे के आधार पर किया जाए और किन बातों को लेकर जनता के बीच जाया जाए। यही वजह है कि कांग्रेस अपनी अंदरूनी गुटबाजी में उलझी हुई है, जबकि भाजपा विकास और सुशासन के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है।

# किसान ऋण मेले में 82 किसानों को 70.50 लाख का ब्याजमुक्त ऋण

**सहकारिता विभाग का आयोजन, कृषि, बागवानी, दुग्ध उत्पादन और मत्स्य पालन के लिए बांटे गए चेक**

**अपर जिला सहकारिता अधिकारी बोले — किसानों के हर काम में मददगार बन रहीं सहकारी समितियां**

**के.के.पी संवाददाता**

चम्पावत। सहकारिता विभाग की ओर से बहुउद्देशीय साधन सहकारी समिति चम्पावत के परिसर में आयोजित वृहद किसान ऋण मेले में 82 किसानों को विभिन्न कार्यों के लिए 70 लाख 50 हजार रुपये का ब्याजमुक्त ऋण वितरित किया गया। मेले का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख अंचला बोहरा और नगर पालिका अध्यक्ष प्रेमा पांडे ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

समिति अध्यक्ष मंजू शाह की अध्यक्षता और भइयू बोहरा के संचालन में हुए कार्यक्रम में अपर जिला सहकारिता अधिकारी सुभाष गहतोड़ी ने सहकारिता की अवधारणा पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार सहकारिता के माध्यम से




कृषि, बागवानी, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन और सब्जी उत्पादन जैसे कार्यों के लिए बिना ब्याज ऋण दे रही है, जिससे किसान अपनी आय बढ़ाकर सम्मानजनक जीवन जी सकते हैं। जिला सहकारी बैंक के शाखा प्रबंधक आनंद प्रकाश ने बैंक की लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी। मुख्य अतिथि ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में किसानों के जीवन में खुशहाली और आर्थिक समृद्धि लाने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। डॉ. वैशाली शाह, केएमवीएन के निदेशक रोहित बिष्ट और सभासद नंदन सिंह तड़ागी ने भी विचार रखे। वक्ताओं ने किसानों से ऋण का सही उपयोग करने की अपील करते हुए कहा कि सहकारी समितियां उनके हर काम में पूरा सहयोग करेंगी।

इससे पहले समिति सचिव हरीश जोशी, कोट अमोड़ी के ललित चौड़ाकोटी, धूरा के तुलसी भट्ट, सीमियां के हरीश मथेला, सिप्टी के कृष्णा भट्ट, चम्पावत के महेश बोहरा, हरटोला के खीम सिंह कुंवर, एडीओ गौरव शर्मा, सुंदर सिंह, चंद्रशेखर मौनी, सूरज जोशी, अनिल भट्ट और संजय सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर जिला सहकारी बैंक के डीजीएम आरपी डोभाल और संगीत सिंह भी मौजूद रहे।

# स्वराज आश्रम में कांग्रेसजनों ने मनाई लौह महिला इंदिरा गांधी की 109वीं जयंती, पुष्पांजलि अर्पित कर किया नमन

**इंदिरा गांधी का साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति और राष्ट्र के प्रति समर्पण सदैव देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा : गोविंद सिंह बिष्ट**

**देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए इंदिरा गांधी जी का योगदान इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज रहेगा : राहुल छिमवाल**

**के.के.पी संवाददाता**

**हल्द्वानी।** भारत की पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न एवं लौह महिला स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी जी की 109वीं जयंती के अवसर पर आज स्वराज आश्रम, हल्द्वानी में महानगर जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेसजनों ने इंदिरा गांधी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा देश के प्रति उनके अतुलनीय योगदान को याद किया।



इस अवसर पर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट गोविंद सिंह बिष्ट ने कहा कि इंदिरा गांधी जी का संपूर्ण जीवन साहस, संघर्ष, दृढ़ इच्छाशक्ति और राष्ट्रसेवा का प्रतीक रहा है। उन्होंने अपने मजबूत नेतृत्व और दूरदर्शी निर्णयों से भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक विशिष्ट पहचान दिलाई। देश की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए उनका समर्पण और सर्वोच्च बलिदान सदैव याद किया जाएगा। उनका व्यक्तित्व और विचार आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगे।

जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल ने कहा कि इंदिरा गांधी जी ने अपने कार्यकाल में अनेक ऐतिहासिक निर्णय लेकर देश के विकास, आत्मनिर्भरता और सामाजिक न्याय को नई दिशा दी। उन्होंने हमेशा देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता को सर्वोपरि रखा। उनका जीवन हमें जनसेवा, संघर्ष और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता उनके आदर्शों और विचारों को आगे बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध है।

कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेसजनों ने इंदिरा गांधी जी के जीवन और विचारों को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने तथा जनहित एवं राष्ट्रसेवा के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

इस दौरान हरिश मेहता, हेमंत बगड़वाल, शोभा बिष्ट, मधु सांगुडी, मलय बिष्ट, हाजी सुहेल सिद्दीकी, सुरेंद्र बिष्ट, पार्षद नीमा भट्ट, मंजू पांडे, गोविंद बगड़वाल, जाकिर हुसैन, पार्षद एडवोकेट धर्मवीर, कौशलेंद्र भट्ट, शंकर कोहली, प्रदीप बिष्ट, अत्तर सिंह सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

# संपादकीय

## विकास की अंधी दौड़ में दम तोड़ता पर्यावरण, आखिर जवाबदेह कौन?

प्रदूषण की बढ़ती समस्या केवल मौसम, पराली, पटाखों और वाहनों का परिणाम नहीं, बल्कि विकास की नीतियों, प्रशासनिक लापरवाही और पर्यावरण संरक्षण के प्रति कमजोर इच्छाशक्ति पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। भारत आज विकास की जिस दौड़ में शामिल है, उसमें आर्थिक प्रगति, औद्योगिक विस्तार, सड़कों का निर्माण, बड़े-बड़े भवन और बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने की होड़ लगी हुई है। निश्चित रूप से विकास किसी भी देश की आवश्यकता है, सवाल यह है, क्या विकास की कीमत प्रकृति को नष्ट करके चुकाई जानी चाहिए? क्या जंगलों को काटकर, पहाड़ों को खोखला करके, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित करके और हवा-पानी को प्रदूषित करके ही विकास किया जा सकता है? आर्थिक प्रगति ही वास्तव में देश का विकास कहलाएगी? आज भारत के सामने यही सबसे बड़ा सवाल खड़ा है। पिछले डेढ़ दशक में देश के अनेक हिस्सों में जिस तेजी से निर्माण और औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार हुआ है। उसने पर्यावरणीय संतुलन को गंभीर चुनौती दी है। हिमालयी क्षेत्र, उत्तराखंड, बस्तर के घने जंगल, तटीय इलाके और देश के प्राकृतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र विकास परियोजनाओं के दबाव में पर्यावरण की दृष्टि से दम तोड़ रहे हैं। जिन स्थानों पर निर्माणकार्यों को लेकर विशेष सावधानी बरतने की जरूरत थी वहां भी पर्यावरणीय प्रभावों का पर्याप्त आकलन किए बिना परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की शिकायतें सामने आती हैं। इसके परिणामस्वरूप भूस्खलन, बाढ़, जंगलों का विनाश और जैव विविधता पर संकट जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। सुप्रीम कोर्ट जैसी संस्था भी अब विकास के नाम पर पर्यावरण के मामलों में अनदेखी कर रही है। इसने चिंता को और बढ़ा दिया है।

सबसे चिंताजनक स्थिति वायु प्रदूषण की है। दिल्ली-एनसीआर सहित पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और तेलंगाना के अनेक शहरों में हवा की गुणवत्ता लगातार चिंता का विषय बनी हुई है। सर्दियों में प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी तक पहुंच जाता है। लोगों को सांस लेने में परेशानी होती है, बच्चों और बुजुर्गों पर इसका विशेष दुष्प्रभाव पड़ रहा है। श्वसन और हृदय संबंधी बीमारियों के मरीज बढ़ते जा रहे हैं। प्रदूषण का प्रभाव केवल महानगरों तक सीमित नहीं है, बल्कि छोटे शहर और कस्बे भी इसकी चपेट में आ गये हैं। इस समस्या के लिए केवल पराली, पटाखों, वाहनों या मौसम को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं है। औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाला धुआं, ताप विद्युत संयंत्रों का उत्सर्जन, निर्माण स्थलों की धूल, कचरा जलाना और शहरी नियोजन की कमजोरियां भी प्रदूषण के बड़े कारण हैं। इन सभी पर नियंत्रण की जिम्मेदारी पर्यावरण मंत्रालय, केंद्रीय एवं राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, स्थानीय निकायों और संबंधित विभागों की है।

इसके बावजूद जब प्रदूषण बढ़ता है, तो जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डालने का सिलसिला शुरू हो जाता है। पर्यावरण संरक्षण के लिए कानूनों और संस्थाओं की कमी नहीं है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण और न्यायपालिका भी पर्यावरणीय मामलों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसके बावजूद असली चुनौती इन कानूनों और आदेशों को जमीन पर लागू करने की है। यदि किसी परियोजना को पर्यावरणीय मंजूरी देते समय उसके दीर्घकालिक प्रभावों का निष्पक्ष आकलन नहीं होगा, यदि नियमों का उल्लंघन करने वाले उद्योगों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होगी, यदि पौधारोपण के नाम पर केवल कागजी उपलब्धियां दिखाई जाएंगी, तो पर्यावरण संरक्षण का उद्देश्य भारत में कभी पूरा नहीं हो सकता।

# जब बच्चे बोलते हैं, व्यवस्था को सुनना पड़ता है

**सुनील कुमार गुप्ता**

भोपाल। 20 नवंबर को दुनिया बाल अधिकार दिवस मनाती है। सन् 1959 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इसी दिन बाल अधिकारों की घोषणा और सन् 1989 में बाल अधिकार अभिसमय (सम्मेलन) स्वीकार किया। भारत ने बच्चों के जीवन, विकास, सुरक्षा, शिक्षा, समानता और सहभागिता के अधिकारों को मान्यता दी है। कानून और योजनाएं हैं, फिर भी क्या हर बच्चा अपना बचपन जी पा रहा है?

जब एक लड़की अपना बाल विवाह रुकवाती है, जब किशोरियां माहवारी पर चुप्पी तोड़ती हैं और जब बच्चे स्कूल की दूरी, बस किराये, शिक्षकों की कमी या पीने के पानी जैसी समस्याओं को लेकर सड़क पर उतरते हैं, तब वे केवल शिकायत नहीं कर रहे होते, वे अपने अधिकारों का अर्थ समझा रहे होते हैं। ऐसे क्षणों में समाज और व्यवस्था, दोनों से सवाल पूछे जाने चाहिए कि बच्चों की आवाज आखिर कितनी सुनी जाती है और उनके लिए क्या किया जाता है?

मध्यप्रदेश में बच्चों की अपनी पहलें बताती हैं कि वे केवल योजनाओं के लाभार्थी नहीं, बल्कि बदलाव के भागीदार भी हो सकते हैं, बशर्ते उन्हें जानकारी, सुरक्षित मंच और बोलने का अवसर मिले।

**पूनम ने अपना विवाह रुकवाया, अब अपने पैरों पर खड़ी है**

भोपाल की मदर इंडिया कॉलोनी में रहने वाली पूनम (बदला हुआ नाम) की शादी परिवार ने कम उम्र में तय कर दी थी। घर में तैयारियां शुरू हो चुकी थीं, लेकिन पूनम के मन में अपने भविष्य को लेकर अलग आकांक्षाएं थीं। वह लैंगिक समानता के लिए काम करने वाली सामाजिक संस्था सरोकार के साथ बाल विवाह के विरुद्ध नुक्कड़ नाटकों में हिस्सा लेती थी। इन नाटकों में वह स्वयं लोगों को बताती थी कि कम उम्र में विवाह लड़कियों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सपनों और भविष्य को कैसे प्रभावित करता है। जब वही परिस्थिति उसके जीवन में आई, उसने परिवार से बात की, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी को फोन किया और विवाह रुकवा लिया। सरोकार की संस्थापक-सचिव कुमुद सिंह ने यह प्रसंग साझा करते हुए बताया है कि पूनम ने आगे पढ़ाई की, एमबीए पूरा किया और अब अपनी ट्रेडिंग कंपनी चला रही है।

यह सरकारी योजना का आंकड़ा नहीं, जागरूकता और आत्मविश्वास की कहानी है। लेकिन कितनी पूनम अपनी शादी रोक पाती हैं? कितनी लड़कियां सामाजिक दबाव में पढ़ाई छोड़ देती हैं? बाल विवाह रोकने के लिए कानूनी कार्रवाई के साथ परिवारों, समुदायों, विद्यालयों और पंचायतों से लगातार संवाद जरूरी है। लड़कियों को ऐसा वातावरण भी चाहिए जिसमें वे अपने जीवन के फैसले ले सकें।

NFHS-6 (2023-24) के अनुसार मध्यप्रदेश में 20 से 24 वर्ष आयु वर्ग की 20 प्रतिशत महिलाओं का विवाह 18 वर्ष से पहले हुआ था। NFHS-5 में यह अनुपात 23.1 प्रतिशत था। गिरावट उम्मीद जगाती है, लेकिन हर पांचवीं लड़की बाल विवाह का शिकार हुई है। चुनौती अब भी बड़ी है। कुमुद सिंह के अनुसार, कई बाल विवाह दर्ज ही नहीं हो पाते। इसलिए कानून के साथ संवाद और लड़कियों की शिक्षा में निवेश जरूरी है।

माहवारी पर चुप्पी टूटे, तभी गरिमा और स्वास्थ्य का अधिकार पूरा होगा

सरोकार की एक और पहल किशोरी बालिकाओं को मासिक धर्म के बारे में खुलकर बात करने का साहस देने से जुड़ी है। घर में धीमी आवाज में होने वाली बातचीत और विद्यालयों में झिझकर पूछे जाने वाले सवालों को संस्था ने संवाद का विषय बनाया। स्कूलों और बस्तियों में किशोरियों को शरीर में होने वाले बदलाव समझने, प्रश्न पूछने और बिना संकोच बोलने के लिए प्रोत्साहित किया गया। लड़कों और समुदाय को भी जोड़ा गया, क्योंकि यह चुप्पी पूरे समाज की सोच से जुड़ी है।

माहवारी स्वाभाविक है, लेकिन मिथक और सुविधाओं की कमी शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मसम्मान प्रभावित करते हैं। क्या हर विद्यालय में किशोरियां भरोसे से सवाल पूछ सकती हैं? क्या घरों में पुरुष सदस्य भी इसे सामान्य प्रक्रिया मानते हैं? मासिक धर्म स्वास्थ्य का अधिकार उत्पाद उपलब्ध कराने भर से पूरा नहीं होता; जानकारी, स्वच्छ शौचालय, पानी, सम्मान और भेदभाव से मुक्ति भी जरूरी है।

दोनों पहलें बताती हैं कि लड़कियों को संरक्षण के साथ जानकारी, आत्मविश्वास और निर्णय की स्वतंत्रता भी चाहिए।

आंकड़े बताते हैं बचपन की चुनौतियां

पोषण भी गंभीर सवाल उठाता है। ह्स्रा॥स्-5 (2019-21) के अनुसार मध्यप्रदेश में पांच वर्ष से कम आयु के 35.7 प्रतिशत बच्चे अवरुद्ध विकास और 33 प्रतिशत बच्चे कम वजन की समस्या से प्रभावित थे। ह्स्रा॥स्-6 (2023-24) की उपलब्ध राज्य तथ्य-पत्रिका में इन पोषण संकेतकों के तुलनीय आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं; इसलिए पुराने आंकड़ों को वर्तमान स्थिति बताकर पेश करना उचित नहीं होगा। शिवपुरी के सहरिया बहुल गांवों में कुपोषण की चुनौती से निपटने के लिए विकास संवाद समिति और बाल अधिकारों पर काम करने वाली संस्था क्राय के सहयोग से समुदाय आधारित पोषण प्रबंधन के प्रयास किए गए। कई वर्षों तक चली इस पहल ने पोषण को केवल परिवार की जिम्मेदारी मानने के बजाय आंगनवाड़ी, समुदाय और सार्वजनिक व्यवस्था की साझा जिम्मेदारी बनाने पर जोर दिया। बच्चे का पोषण भोजन, स्वास्थ्य, स्वच्छता, मातृ स्वास्थ्य और आजीविका से जुड़ा है। किसी एक योजना से समस्या हल नहीं होगी; सेवाओं का समन्वय जरूरी है। शिक्षा के क्षेत्र में भी नामांकन और पढ़ाई पूरी करने के बीच दूरी बनी हुई है। ष्ठद्बस्श्र+ 2024-25 के अनुसार मध्यप्रदेश में माध्यमिक स्तर पर ड्रॉपआउट दर 16.8 प्रतिशत थी, जबकि राष्ट्रीय औसत 11.5 प्रतिशत था। पढ़ाई छूटने के पीछे आर्थिक दबाव, दूरी, परिवहन, घरेलू जिम्मेदारियां और विद्यालयी सुविधाओं की कमी हो सकती है। इसे केवल पारिवारिक निर्णय मानना समस्या की जड़ से नजर हटाना है।

**जब बच्चे खुद सवाल करते हैं, व्यवस्था को जवाब देना पड़ता है**

मध्यप्रदेश के आदिवासी अंचलों से बच्चों की सामूहिक पहल की कहानियां सामने आई हैं। अलीराजपुर के चिकड़ा गांव में बच्चों ने विद्यालय में शिक्षकों की अनियमित उपस्थिति का मुद्दा उठाया। 12 वर्षीय दामा रामिया ने अपनी परेशानी परिवार और सरपंच के सामने रखी। इसके बाद बच्चों ने बाल पंचायत बनाई। धीरे-धीरे 30 गांवों के लगभग 100 बच्चे इससे जुड़े और उन्होंने अपनी शिकायत प्रशासन तक पहुंचाई। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार, इस पहल के बाद क्षेत्र के 21 विद्यालयों में शिक्षकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठे।

# हिंसा, शोषण और अभाव से मुक्त हो भारत का बचपन

**ललित गर्ग**

हम में से प्रत्येक को बच्चों के अधिकारों की वकालत करने, उन्हें बढ़ावा देने, उनके शोषण को रोकने, उनका समग्र विकास करने और बच्चों का उत्सव मनाने के लिए एक प्रेरणादायी अवसर के रूप में विश्व बाल दिवस है, यह उस समाज की आत्मपरीक्षा का अवसर है, जो अपने भविष्य को बच्चों की आंखों में देखता है। 20 नवंबर को मनाया जाने वाला यह दिवस हमें याद दिलाता है कि बच्चे केवल परिवार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। वर्ष 2026 की थीम 'मेरा दिन, मेरे अधिकार, मेरा भविष्य''है। इसी बुनियादी प्रश्न को सामने रखती है कि क्या हमारे बच्चों को वास्तव में अपने अधिकारों के साथ जीने, सपने देखने और अपना भविष्य गढ़ने का अवसर मिल रहा है? भारत में बचपन की तस्वीर विरोधाभासों से भरी है। एक ओर महानगरों के वातानुकूलित कमरों में पलते बच्चे आधुनिक शिक्षा, तकनीक और सुविधाओं से घिरे हैं, तो दूसरी ओर फुटपाथ, झुग्गियों, कारखानों, ढाबों और खेतों में ऐसे बच्चे भी हैं जिनके हाथों में किताब की जगह औजार हैं। किसी बच्चे के लिए बचपन खेल, शिक्षा और परिवार का स्नेह है, तो किसी के लिए भूख, श्रम, हिंसा और असुरक्षा से जूझने का नाम। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना की भी परीक्षा है।

सबसे गंभीर चुनौती बाल हिंसा और मानसिक दबाव की है। हिंसा का अर्थ केवल बच्चे को पीटना नहीं है। लगातार डांटना, अपमानित करना, डराना, उसकी तुलना दूसरे बच्चों से करना, उसकी इच्छा और प्रतिभा को नकारना तथा हर समय परिणाम का दबाव बनाना भी हिंसा के ही रूप हैं। आज अनेक अभिभावक चाहते हैं कि उनका बच्चा डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस या किसी प्रतिष्ठित पेशे में जाए। महत्वाकांक्षा गलत नहीं, लेकिन जब माता-पिता की अधूरी इच्छाओं का बोझ बच्चे के कंधों पर रख दिया जाता है, तब शिक्षा विकास का माध्यम न रहकर तनाव का कारण बन जाती है। स्कूल भी इससे अछूते नहीं हैं। अनुशासन के नाम पर अपमान, डर और कठोरता बच्चे के व्यक्तित्व को भीतर से तोड़ सकती है। जिस विद्यालय में बच्चे को प्रश्न पूछने, गलती करने और फिर सीखने का अवसर मिलना चाहिए, वहां भय का वातावरण उसकी रचनात्मकता को कुंठित कर देता है। हमें यह समझना होगा कि डर से आज्ञाकारी बच्चा तो बनाया जा सकता है, लेकिन आत्मविश्वासी नागरिक नहीं।

भारत में बाल मजदूरी, बाल तस्करी, यौन शोषण और भिक्षावृत्ति जैसी समस्याएं आज भी हमारी सामूहिक चेतना एवं राजनीतिक नेतृत्व पर प्रश्नचिह्न हैं। आर्थिक मजबूरी के कारण अनेक बच्चे शिक्षा से दूर होकर श्रम की दुनिया में पहुंच जाते हैं। कुछ खतरनाक उद्योगों और असुरक्षित कार्यस्थलों पर काम करने के लिए विवश होते हैं। कई बच्चे तस्करी के जाल में फंसकर अपने परिवार और बचपन दोनों से दूर हो जाते हैं। सबसे पीड़ादायक स्थिति उन बच्चों की है जिन्हें अपराध, भीख या यौन शोषण के अंधेरे में धकेल दिया जाता है। इन परिस्थितियों में उनसे केवल उनका वर्तमान नहीं छीना जाता, बल्कि भविष्य की संभावनाएं भी छीन ली जाती हैं। गरीबी बचपन की सबसे बड़ी चुनौती है, लेकिन गरीबी से भी बड़ी समस्या है अवसरों की असमानता। यदि किसी गरीब परिवार का बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य और सुरक्षित वातावरण से वंचित रहता है तो वह अपनी प्रतिभा का पूरा उपयोग कैसे करेगा? विकसित भारत का सपना तभी वास्तविक होगा जब विकास की रोशनी गांव, झुग्गी, श्रमिक परिवार और वंचित समुदाय के बच्चे तक पहुंचेगी। किसी राष्ट्र की प्रगति का सही पैमाना उसके सबसे कमजोर बच्चे की स्थिति है।

इसलिए बाल अधिकारों को केवल कानून की पुस्तकों तक सीमित रखने के बजाय घर, स्कूल और समाज की संस्कृति का हिस्सा बनाना होगा। बच्चे को यह विश्वास होना चाहिए कि वह अपनी समस्या बिना भय के माता-पिता, शिक्षक अथवा किसी विश्वसनीय व्यक्ति से कह सकता है। परिवार में संवाद की परंपरा विकसित करनी होगी। माता-पिता को बच्चों के साथ केवल उनकी पढ़ाई और परीक्षा की बात नहीं करनी चाहिए, बल्कि उनके डर, मित्रता, सपनों, असफलताओं और भावनाओं को भी सुनना चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में भी बड़ा परिवर्तन आवश्यक है। शिक्षा का लक्ष्य केवल अंक और रोजगार नहीं, बल्कि संवेदनशील, आत्मनिर्भर, नैतिक और मानसिक रूप से स्वस्थ मनुष्य बनाना होना चाहिए। बच्चों को अधिकारों के साथ कर्तव्यों, संविधान, लैंगिक सम्मान, डिजिटल सुरक्षा, आत्मरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक किया जाना चाहिए। सरकार को बाल संरक्षण कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ बाल श्रम, तस्करी और यौन अपराधों के विरुद्ध तंत्र को और मजबूत करना होगा। गरीब बच्चों की शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य को आर्थिक सहायता से जोड़ना भी जरूरी है। हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि बच्चों की सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। पड़ोस में किसी बच्चे से दुर्व्यवहार हो रहा हो, किसी दुकान या कारखाने में बाल मजदूर दिखाई दे, कोई बच्चा लगातार भय में जी रहा हो या उसके साथ शोषण की आशंका हो, तो 'हमें क्या लेना-देना है' कहकर आगे बढ़ जाना सामाजिक अपराध के प्रति मौन स्वीकृति है। बच्चे की रक्षा के लिए समाज को संवेदनशील प्रहरी बनना होगा।

विश्व बाल दिवस के अवसर पर बच्चों के सामने उभरती नई चुनौतियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) भी एक गंभीर विषय बनकर सामने आई है। एआई शिक्षा, रचनात्मकता और ज्ञान-विस्तार का प्रभावी साधन हो सकता है, लेकिन उसका अनियंत्रित और अत्यधिक उपयोग बच्चों की सोचने-समझने की मौलिक क्षमता, कल्पनाशक्ति, एकाग्रता और निर्णय लेने की स्वतंत्रता को प्रभावित कर सकता है। चैटबॉट पर अत्यधिक निर्भरता बच्चों को स्वयं प्रश्न पूछने, उत्तर खोजने और गलतियों से सीखने की प्रक्रिया से दूर कर सकती है। साथ ही, एआई से बने भ्रामक या अनुपयुक्त कंटेंट, डीपफेक, साइबर बुलिंग, ऑनलाइन शोषण, निजता के खतरे और बच्चों के मानसिक संसार पर बढ़ते डिजिटल दबाव जैसी चुनौतियां भी चिंता का विषय हैं। इसलिए आज आवश्यकता केवल बच्चों को एआई से परिचित कराने की नहीं, बल्कि उन्हें एआई के सुरक्षित, संतुलित और विवेकपूर्ण उपयोग की शिक्षा देने की है, ताकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता बच्चों की बुद्धि का विकल्प नहीं, बल्कि उनकी प्रतिभा और रचनात्मकता को विकसित करने का सहायक माध्यम बने।

विश्व बाल दिवस का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होगा जब भारत में ऐसा वातावरण बने जहां हर बच्चा सुरक्षित हो, सुना जाए, सम्मान पाए, पढ़ सके, खेल सके, अपनी प्रतिभा विकसित कर सके और बिना भय के सपने देख सके। हमें बच्चों को अपने सपनों के अनुसार जीने का अवसर देना होगा, अपने सपनों के अनुसार ढालने का नहीं। बचपन किसी राष्ट्र की प्रतीक्षा करती हुई सुबह है। यदि उस सुबह पर हिंसा, शोषण, भूख और भय के बादल छा गए तो विकसित भारत का सूर्योदय अधूरा रहेगा। इसलिए आज जरूरत केवल बाल दिवस मनाने की नहीं, बल्कि बचपन को बचाने की है। जिस दिन भारत के हर बच्चे की आंखों में भय की जगह विश्वास, हाथों में श्रम की जगह किताब और होंठों पर शिकायत की जगह मुस्कान होगी, उसी दिन हम कह सकेंगे कि हमने विश्व बाल दिवस की भावना को वास्तव में आत्मसात किया है।

# बचपन सुरक्षित होगा, तभी भविष्य मुस्कुराएगा

**योगेश कुमार गोयल**

बाल दिवस केवल भारत में ही नहीं बल्कि विश्व के अधिकांश देशों में मनाया जाता है। भारत में बाल दिवस प्रतिवर्ष 14 नवम्बर को मनाया जाता है लेकिन बच्चों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह दिवस 20 नवम्बर को मनाया जाता है। यह दिवस हमें बच्चों के अधिकारों की वकालत करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है। इस वर्ष यह दिवस 'मेरा दिन, मेरे अधिकार, मेरा भविष्य' विषय के साथ मनाया जा रहा है, जो यह सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर देता है कि सभी बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा और सुरक्षित वातावरण सहित उनके मौलिक अधिकारों तक पहुंच हो। वैश्विक स्तर पर इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दुनियाभर में बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार करना, उनकी समस्याओं को हल करना, उनके कल्याण के लिए काम करना तथा अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता को बढ़ावा देना है। बाल दिवस दुनियाभर में 190 से ज्यादा देशों में मनाया जाता है और अनेक देशों में इसे मनाने की तारीखें अलग-अलग हैं। जनवरी माह से लेकर दिसम्बर तक हर माह किसी न किसी देश में बाल दिवस का आयोजन होता है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा 20 नवम्बर 1954 को 'विश्व बाल दिवस' मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिसका उद्देश्य यही था कि इस विशेष दिन के माध्यम से अलग-अलग देशों के बच्चे एक-दूसरे के साथ जुड़ सकें, जिससे उनके बीच आपसी समझ तथा एकता की भावना मजबूत हो सके। सर्वप्रथम बाल दिवस जेनेवा के इंटरनेशनल यूनियन फॉर चाइल्ड वेलफेयर के सहयोग से विश्वभर में अक्तूबर 1953 में मनाया गया था। विश्वभर में बाल दिवस मनाए जाने का विचार वी के कृष्ण मेनन का था, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1954 में अपनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्वभर के तमाम देशों से अपील की गई थी कि वे अपनी परम्पराओं, संस्कृति तथा धर्म के अनुसार अपने लिए कोई एक ऐसा दिन सुनिश्चित करें, जो सिर्फ बच्चों को ही समर्पित हो। वैसे तो बाल दिवस मनाए जाने की शुरूआत वर्ष 1925 से ही हो गई थी लेकिन वैश्विक रूप में देखें तो इसे दुनियाभर में मान्यता मिली 1953 में।

दुनियाभर में बाल दिवस के माध्यम से लोगों को बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, बाल मजदूरी इत्यादि बच्चों के अधिकारों के प्रति जगरूक करने का प्रयास किया जाता है। माना जाता है कि सबसे पहले बाल दिवस तुर्की में मनाया गया था। आइए देखते हैं कि दुनियाभर में किन देशों द्वारा कब बाल दिवस मनाया जाता है। जनवरी के पहले शुक्रवार को बहामास में, 11 जनवरी को ट्यूनिशिया, जनवरी के दूसरे शनिवार को थाईलैंड, फरवरी के दूसरे रविवार कुक द्वीप समूह, नाउरू, निउए, टोकेलौ तथा केमन द्वीप समूह में, 13 फरवरी को म्यांमार, मार्च के पहले रविवार को न्यूजीलैंड, 17 मार्च को बांग्लादेश, 4 अप्रैल को चीनी ताइपे, हांगकांग, 5 अप्रैल को फिलीस्तीन, 12 अप्रैल को बोलिविया तथा हैती, 23 अप्रैल को तुर्की, 30 अप्रैल को मेक्सिको, 5 मई को दक्षिण कोरिया तथा जापान, मई के दूसरे रविवार को स्पेन तथा यूके, 10 मई को मालदीव, 17 मई को नार्वे, 27 मई को नाईजीरिया, मई के आखरी रविवार को हंगरी, 1 जून को चीन सहित कई देशों में बाल संरक्षण दिवस के रूप में, 1 जुलाई को पाकिस्तान, जुलाई के तीसरे रविवार को क्यूबा, पनामा, वेनेजुएला, 23 जुलाई को इंडोनेशिया, अगस्त के पहले रविवार को उरुग्वे, 16 अगस्त को पैराग्वे, अगस्त के तीसरा रविवार को अर्जेन्टीना तथा पेरू, 9 सितम्बर कोस्टा रीका, 10 सितम्बर को हौण्डुरस, 14 सितम्बर को नेपाल, 20 सितम्बर को आस्ट्रिया तथा जर्मनी, 25 सितम्बर को नीदरलैंड, 1 अक्तूबर को अल साल्वाडोर, ग्वाटेमाला तथा श्रीलंका, अक्तूबर के पहले बुधवार को चिली, अक्तूबर के पहले शुक्रवार को सिंगापुर, 8 अक्तूबर को ईरान, 12 अक्तूबर को ब्राजील, अक्तूबर के चौथे शनिवार को मलेशिया, अक्तूबर के चौथा रविवार को आस्ट्रेलिया, नवम्बर के पहले शनिवार को दक्षिण अफ्रीका, 20 नवम्बर को अजरबैजान, कनाडा, साइप्रस, मिस्र, इथियोपिया, फिनलैंड, फ्रांस, यूनान, आयरलैंड, इजराइल, केन्या, मैसिडोनिया, नीदरलैंड, फिलीपींस, सर्बिया, स्लोवेनिया, दक्षिण अफ्रीका, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, त्रिनिदाद व टोबेगो, 5 दिसम्बर को सूरीनाम, 23 दिसम्बर को सूडान तथा 25 दिसम्बर कांगो गणराज्य, कैमरून तथा भूमध्यरेखीय गिनी में बाल दिवस का आयोजन किया जाता है। बहरहाल, विश्व बाल दिवस पर हमें यह समझने का अवसर प्रदान करता है कि बच्चों का भविष्य उनके आज पर निर्भर करता है, जिसके लिए हमें ही यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, बाल श्रम और शोषण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो, बच्चों को उनकी प्रतिभा को निखारने के पर्याप्त अवसर मिलें, उन्हें सुरक्षित, स्वस्थ और पोषित वातावरण उपलब्ध कराया जाए।

# देश की सनातन संस्कृति का ध्वजवाहक है गढ़मुकतेश्वर गंगा मेला

**मनोज कुमार अग्रवाल**

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गढ़ मुक्तेश्वर में कार्तिक पूर्णिमा पर लगने वाला मेला न सिर्फ पौराणिक महत्व है बल्कि सनातन संस्कृति के लिए यह मेला और यहां का पवित्र गंगा स्नान देश और दुनिया के पर्यटन के लिए भी महत्वपूर्ण स्थान बना है।आज इस मेले का स्वरूप मिनीकुम्भ बन चुका है दस किलोमीटर क्षेत्रफल से अधिक में फैला यह मेला देश दुनिया के आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कार्तिक गंगा मेला केवल स्नान करने तक ही सीमित नहीं है। कार्तिक पूर्णिमा मेला सम्पूर्ण हिन्दू समाज की एकता, भाईचारे, सांस्कृतिक विरासत और परंपरा का प्रतीक है। यहां से देश के विकास को नई दिशा मिलती है। प्रदेश के मानचित्र पर आने के बाद मेला विभिन्न क्षेत्रों में अपनी साख बढ़ा रहा है। अब मेले से प्रदेश को विकास और स्वदेशी का मूल-मंत्र मिल रहा है।

दिल्ली से 100 किमी दूर और राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 24 से लगे, गंगा के निचले तट पर स्थित गढ़ मुक्तेश्वर में कार्तिक पूर्णिमा पर आयोजित होने वाला नदी गंगा स्नान और यह मेला यहां अनादिकाल से आ रहा है। जबकि, महाभारत युद्ध के बाद इस स्थान का महत्व और भी अधिक बढ़ गया।

कार्तिक पूर्णिमा पर आयोजित होने वाले इस पवित्र और प्रसिद्ध स्नान पर्व और यहां लगने वाले मेले का अतीत पांडवों और भगवान श्रीकृष्ण से भी जुड़ा है बताया जाता है कि महाभारत युद्ध के बाद गढ़ मुक्तेश्वर के गंगा तट पर भगवान श्रीकृष्ण के निर्देश पर सम्राट युधिष्ठिर ने कौरवों और पांडवों की सेना के विशाल वीर योद्धाओं और सैनिकों की आत्मा की शांति के लिए उनका तर्पण किया था। एक ओर पौराणिक साक्ष्य और तथ्य गढ़ मुक्तेश्वर के एतिहासिक सांस्कृतिक अध्यात्मिक महत्व को बयान करते हैं, वहीं आज के इतिहासकार और विद्वान भी मानते हैं कि यह स्थान द्वापर युग में भी सबसे पहले प्रसिद्ध हुआ था। क्योंकि शिवपुराण के आज के अनुसार इस गढ़मुक्तेश्वर का प्राचीन नाम शिववल्लभ हुआ, अर्थात जो भगवान शिव का ही एक प्रिय नाम है।

पुराणों में समान गढ़ मुक्तेश्वर की महिमा काशी के बारे में बताया गया है, क्योंकि गढ़ मुक्तेश्वर में ही भगवान शिव ने अपनी जय और विजय नाम के गणों को महर्षि दुर्वासा के द्वारा पिशाच योनि के श्राप से मुक्ति दिलाई थी। जिसके बाद इस स्थान का नाम गणमुक्तिश्वर यानि कि गणों की मुक्ति करने वाले भगवान शिव के नाम से पड़ा था। गणमुक्तिश्वर का वह प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिर आज भी उस पौराणिक घटना का साक्षी है। लेकिन, समय के साथ-साथ आम बोलचाल की भाषा के उच्चारण के कारण यह नाम गणमुक्तेश्वर से बदल कर गढ़ मुक्तेश्वर कहलाने लगा है।

त्रेता युग में भी गढ़मुकतेश्वर की महिमा का वर्णन है शिव पुराण के अनुसार इसी गढ़ मुक्तेश्वर के क्षेत्र में गंगा नदी के किनारे ही एक घना वन था, जिसे खाण्डवी वन के नाम से जाना जाता था। इसी खांडवी वन में भगवान परशुराम ने एक ऐसे ही शिवलिंग की स्थापना की थी, जो बाद में वर्ष संप्रदाय का प्रमुख केंद्र बना और उसी शिव मंदिर के आस-पास के क्षेत्र का नाम बाद में शिव वल्लभ पुर पड़ गया।

महाभारत काल की बात करें तो त्रेता युग का यही खांडववन, द्वापर युग में यानि महाभारत के काल में खांडव वन के नाम से अस्तित्व में आया और यही खांडव वन बाद में खांडवप्रस्थ कहलाया और उसके बाद इंद्रप्रथ बना। यही खाण्डव वन हस्तिनापुर राज्य के अधीन था इसलिए पांडवों ने खांडव वन में अपना नया राज्य स्थापित किया था।सम्राट् युधिष्ठिर के निर्णय के बाद भगवान परशुराम द्वारा स्थापित शिववर्षपुर यानी गढ़ मुक्तेश्वर के मुक्तेश्वर महादेव मंदिर में पूजा और यज्ञ आदि करके मृतकों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण किया गया था।

सम्राट् युधिष्ठिर ने जो निर्णय लिया उसके बाद जो तीर्थयात्रा निकली वह कार्तिक शुक्ल अष्टमी का ही दिन था। इसी दिन गौ पूजन करके गढ़ मुक्तेश्वर के समान गंगा तट पर गंगा मैदान में सम्राट युधिष्ठिर द्वारा धार्मिक संस्कार करके पिंडदान किया गया। यह देवोत्थान एकादशी है जिसे हम देवोत्थान एकादशी के नाम से भी जानते हैं।

महाभारत युद्ध में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए ब्रह्माण्ड से चतुर्दशी तक यहां यज्ञ किया था, और इसके अगले दिन अर्थात पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान करके कथा का आयोजन किया गया था।

अब अगर हम यहां गढ़ मुक्तेश्वर में स्थित गंगा झील के इतिहास की बात करें तो इतिहासकारों ने इस झील को ज्यादा पुराना नहीं माना है। लेकिन, फिर भी इसके बारे में बताया गया है कि, उस दौर में अखंड भारत के लाखों

श्रद्धालु इस विशेष दिन पर गंगा स्नान के लिए आते थे, इसलिए यहां अच्छी-खासी धार्मिक अध्यात्मिक चहल-पहल होती थी, इसलिए उन शिष्यों की सुविधा के अनुसार यहां विशेष शिविर भी सजते और धीरे-धीरे यह एक प्रकार से वार्षिक उत्सव के रूप में आयोजित होता था। तब से लेकर आज तक यह आयोजन कार्तिक पूर्णिमा के गंगा मेले के रूप में जाना जाता है और अब तो यह उत्तर भारत में आयोजित होने वाले सबसे बड़े मेलों में से एक बन गया है।

गढ़ मुक्तेश्वर कार्तिक पूर्णिमा के स्नान के लिए हजारों वर्षों से अखंड भारत के रिश्ते जुड़े हुए हैं और आज भी पूरे भारत और विदेशों से आप्रवासी भारतीय भी स्नान के लिए आते हैं। मेला आयोजन के लिए सरकार से स्थानीय प्रशासन को भी अच्छी आर्थिक मदद दी जाने लगी। उस आय से आश्रमों के लिए यहां कई प्रकार के भवनों का भी विस्तार किया गया, कई भव्य मंदिरों और तीर्थस्थलों के अलावा आश्रमों का नवीनीकरण किया जा रहा है। लेकिन, विदेशी आक्रमणों के दौर में यहां कई बार भीषण र



## बदलते मौसम भयानक हो सकता है जोड़ों का दर्द, इन आसान तरीकों से अभी से करें बचाव

मौसम में धीरे-धीरे बदलाव आने लगा है। बदलते मौसम में अक्सर जोड़ों में जकड़न, दर्द या सूजन की शिकायत बढ़ जाते हैं। ठंड के मौसम की शुरुआत भी होने लगी है। यह समस्या बदलते मौसम में ज्यादा बढ़ जाती है। आयुर्वेद में बताया है कि जब शरीर में वात दोष बढ़ता है, तो वह जोड़ों में सूखापन और कठोरता पैदा करता है। इसी वजह से कई लोगों को गठिया या जोड़ों दर्द की पुरानी तकलीफ पैदा हो जाती है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, सर्दी या नमी वाले दिनों में शरीर की ऊष्मा कम हो जाती है, जिससे रक्त प्रवाह धीमा पड़ने लगता है। जिस वजह से जोड़ों में जकड़न और सूजन बढ़ जाती है। हल्का दर्द अचानक तीव्र हो जाता है।

### जोड़ों के दर्द से राहत देंगी ये आयुर्वेदिक उपाय

– जोड़ों के दर्द से आराम पाने के लिए सुबह गुनगुने तिल या सरसों के तेल से जोड़ों की हल्के मालिश करें।

– नहाने से पहले शरीर पर तेल की मालिश करें और रक्त संचार भी बेहतर होता और मांसपेशियां की जकड़न कम हो जाती है।

– सर्दियों के दौरान नहाने के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें, इस दौरान ठंडे पानी से नहाने बचना जरुरी है।

– भोजन में अदरक, हल्दी, लहसुन और मेथी शामिल करें। इन सभी चीजों में नैचुरल सूजनरोधी गुण होते हैं।

– ज्यादा देर बैठे या खड़े न रहें, बीच-बीच में एक्सरसाइज करें।

## नहीं जमती दूध में मोटी मलाई तो ये टिप्स करेंगे आपका काम आसान

हर घर में दूध रोज आता है लेकिन दूध पर जमने वाली मोटी मलाई का भी लोग कई तरह से इस्तेमाल करते हैं। जितनी मलाई मोटी होगी उतनी ही खाने में भी स्वाद लगेगी। इसके अलावा मलाई से बहुत से लोग घर में घी भी निकालते हैं। दूध की मलाई जितनी मोटी होगी उतना ही घी अच्छी क्वालिटी का होगा। लेकिन बहुत सी महिलाओं की शिकायत होती है कि उनके दूध से मलाई अच्छी तरह से नहीं जम पाती। ऐसे में आपको आज कुछ ऐसे आसान टिप्स बताते हैं जिनके जरिए आप घर के दूध से मोटी मलाई निकाल सकते हैं...

धीमी आंच पर उबालें दूध

ज्यादातर घरों में दूध को मीडियम और फुल फ्लेम पर ही गर्म किया जाता है। परंतु यदि आप दूध में से मोटी मलाई जमाना चाहते हैं तो दूध को 5 – 10 मिनट के लिए धीमी आंच पर उबालें।

उबाल आते न बंद करें गैस

दूध में उबाल आते हुए आप इस बात का ध्यान रखें कि गैस को एकदम से बंद न करें। दूध को उबालने के बाद कुछ मिनट के लिए कम आंच पर उबालें। इसके बाद ही गैस बंद करें। इस तरीके से भी दूध में मोटी मलाई जमेगी।

जाली से ढकें दूध

दूध को उबालने के बाद पूरी प्लेट से दूध को ढकने की जगह आप जाली से दूध को ढकें। इस तरीके से दूध आसानी से ठंडा भी होगा और उसमें मलाई भी मोटी जमेगी। पूरी प्लेट से दूध को ढक देने से भाप अच्छे से नहीं निकल पाती जिसके कारण मलाई भी मोटी नहीं जम पाती। ऐसे में आप दूध को जाली से ही ढकें।

सामान्य तापमान

दूध को सामान्य तापमान पर ठंडा करना आवश्यक है। गर्म दूध को फ्रिज में बिल्कुल भी न रखें। ठंडा दूध होने पर बर्तन को बिना हिलाए-जुलाए धीरे से फ्रिज में रखें। इससे दूध में मलाई मोटी जमेगी।

मलाई को निकालकर करें दूध का इस्तेमाल

दूध को जब भी इस्तेमाल करना है तो पहले उसमें जमी पूरी मलाई को निकाल लें। इसके बाद ही दूध का इस्तेमाल करें। इससे दूध में मलाई जमी रहेगी और बार-बार दूध का इस्तेमाल भी आप कर सकते हैं।





# मुंह की बदबू से लेकर मसूड़ों की सूजन तक, अमरूद के पत्तों में छिपा है हर समस्या का राज

**आज के समय में अधिकतर लोगों को छाले, मसूड़ों में सूजन, दांतों में दर्द और मसूड़ों से खून आने जैसी ओरल हेल्थ से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जिसकी वजह से कई लोग परेशान रहते हैं। हालांकि इस समस्या से राहत पाने के लिए आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों में से एक और औषधीय गुणों से भरपूर अमरूद के पत्ते लाभकारी माने जाते हैं। अमरूद के पत्तों से बने माउथ वॉश का इस्तेमाल करने से मुंह की कई समस्याओं से राहत मिल सकती है।**

बता दें कि अमरूद के पत्तों में एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-ऑक्सीडेंट्स, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-माइक्रोबियल गुए पाए जाते हैं। जोकि मुंह के स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि ओरल हेल्थ से जुड़ी समस्याओं से राहत के लिए अमरूद के पत्तों से माउथ वॉश कैसे बनाएं और इससे क्या फायदे मिलते हैं।

### अमरूद के पत्तों का माउथवॉश

इसके लिए एक गिलास पानी में 4-5 अमरूद के पत्ते, 1/4 छोटी चम्मच नमक और 2-3 लौंग डालकर इसको तब तक उबालें, जब तक पानी आधा न रह जाए। फिर इसमें 1 चम्मच नारियल का तेल मिला दें। अब इस माउथ वॉश से कुल्ला करें।

### माउथ वॉश के फायदे

एक्सपर्ट के मुताबिक अमरूद के पत्तों में कई तरह के औषधीय गुण पाए जाते हैं। इसके पत्तों का माउथवॉश का इस्तेमाल करने से मुंह का स्वास्थ्य दुरुस्त होने के साथ कई स्वास्थ्य लाभ भी मिलते हैं।

### मुंह की बदबू से राहत

अमरूद के पत्तों और लौंग में एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। इस माउथ वॉश का इस्तेमाल करने से बैक्टीरिया खत्म होती है और मुंह की बदबू से भी राहत मिलती है। इसका इस्तेमाल करने से फ्रेश फील होता है।

### छालों से दे राहत

बता दें कि अमरूद के पत्तों में एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। ऐसे में इस माउथ वॉश का इस्तेमाल करने से मुंह के संक्रमण से बचाव होता है और छालों की समस्या से भी राहत मिलती है। वहीं इस माउथ वॉश के इस्तेमाल से मुंह के पीएच को बैलेंस रखने में सहायता मिलती है।

### कैविटीज से बचाव

इस नेचुरल माउथ वॉश के इस्तेमाल से दांतों के दर्द को कम करने, कैविटीज से बचाव करने, दांतों के पीलेपन को कम करने और इनको हेल्दी बनाए रखने में सहायता मिलती है।

### मसूड़ों की मजबूती

अक्सर लोगों को मसूड़ों में ब्लीडिंग और सूजन होने की समस्या से परेशान रहते हैं। ऐसे में इस नेचुरल माउथ वॉश का इस्तेमाल करने से मसूड़ों की सूजन कम होती है। साथ मसूड़ों को टाइट कर मजबूती देने, ब्लीडिंग से बचाव करने और इंफेक्शन से बचाव करने में सहायता मिलती है।

### दांतों होंगे हेल्दी

अमरूद के पत्ते, लौंग और नारियल तेल से बना माउथ वॉश से दांतों को मजबूती मिलती है। इससे दर्द और सूजन भी कम होती है। साथ ही इस माउथ वॉश के इस्तेमाल से दांतों को नेचुरली साफ करने में मदद मिलती है।

## पुरानी से पुरानी खांसी और जमे कफ को बाहर निकाल देगा ये देसी नुस्खा, सर्दियों में बेहद फायदेमंद



अक्टूबर का महीना खत्म होते-होते ठंड ने दस्तक दे दी है। यह मौसम जितना सुहावना होता है, उतनी ही परेशानियां भी साथ लाता है। खासकर खांसी, जुकाम और सीने में जमे कफ की समस्या लगभग हर घर में देखने को मिलती है। कई बार दवाइयां लेने के बाद भी इन समस्याओं से राहत नहीं मिलती। ऐसे में आयुर्वेदिक और देसी नुस्खे बेहद असरदार साबित हो सकते हैं।

### अपनाएं ये देसी नुस्खा

पुरानी खांसी और जमे हुए कफ को निकालने के लिए यह नुस्खा बेहद कारगर है। इसके लिए सबसे पहले एक नींबू को धीमी आंच पर करीब 20 मिनट तक गर्म करें। इसके बाद उसे बीच से काट लें। अब एक चम्मच में आधा चम्मच नींबू का रस, आधा चम्मच अदरक का रस, एक चम्मच शहद और थोड़ा सा काला नमक मिलाकर अच्छी तरह से मिश्रण तैयार करें। इसे धीरे-धीरे चाटें। इस घरेलू मिश्रण का म्युकोलिटिक ऐक्शन सीने में जमा हुए कफ को ढीला करता है और पुरानी से पुरानी खांसी से राहत दिलाता है।

### सर्दियों में इन बातों का रखें ध्यान

### संक्रमण से बचाव

सर्दियों के मौसम में संक्रमण (इंफेक्शन) का खतरा काफी बढ़ जाता है। इस दौरान स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। समय-समय पर हाथ धोते रहें, और भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से पहले मास्क पहनें। जिन लोगों की इम्युनिटी कमजोर होती है, उन्हें ठंड के मौसम में खास सतर्क रहना चाहिए, क्योंकि ऐसे लोगों को बार-बार खांसी-जुकाम और सर्दी से जुड़ी समस्याएं घेर सकती हैं।

### रोज पिएं हल्दी वाला दूध

सर्दियों के मौसम में हर रात सोने से पहले हल्दी वाला दूध पीना बेहद फायदेमंद माना जाता है। हल्दी में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण शरीर की इम्युनिटी को बूस्ट करते हैं और आपको खांसी, जुकाम तथा गले की खराश जैसी मौसमी समस्याओं से बचाते हैं। यह न केवल शरीर को भीतर से मजबूत बनाता है, बल्कि सर्द मौसम में गर्माहट भी बनाए रखता है।

### पौष्टिक आहार लें

सर्दियों के मौसम में शरीर को स्वस्थ और ऊर्जावान बनाए रखने के लिए पौष्टिक आहार का सेवन बेहद जरूरी है। अपने दैनिक भोजन में हरी सब्जियां, दालें, मौसमी फल और घर का बना ताजा खाना शामिल करें। इससे शरीर को जरूरी विटामिन और मिनरल्स मिलते हैं जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं। इस मौसम में जंक फूड, तली-भुनी या बहुत मसालेदार चीजों से परहेज करें, क्योंकि ये पाचन को प्रभावित कर सकती हैं और सर्दी-जुकाम की समस्या बढ़ा सकती हैं।

यह नुस्खा सामान्य जानकारी के लिए है। यह किसी भी चिकित्सकीय सलाह का विकल्प नहीं है। अगर आपको लगातार खांसी या सीने में दर्द जैसी समस्या है, तो किसी योग्य चिकित्सक या विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें।

## रात भर मुंह में रखकर सोएं तुलसी का पत्ता, मिलेंगे गजब स्वास्थ्य लाभ

तुलसी का भारतीय घर में धार्मिक महत्व तो है ही लेकिन क्या आपको पता है कि ये एक औषधि भी है। आज भी हमारी दादी मां- नानी मां भी सर्दी- खांसी या कोई भी वायरल होने पर तुलसी का काढ़ा आदि पीने की सलाह देती हैं। बता दें तुलसी की पत्तियों में एंटी-बैक्टीरियल, एंटा- सेप्टिक और एंटीऑक्सीडेंट्स गुण पाए जाते हैं। आयुर्वेद की मानें तो ये कई बीमारियों का इलाज है।

### पाचन तंत्र होता है बेहतर

अगर आपको गैस और एसिडिटी की दिक्कत रहती है, तो रोजाना मुंह में तुलसी के 2 पत्ते रखकर सोएं। इससे पाचन तंत्र स्ट्रांग बनेगा।

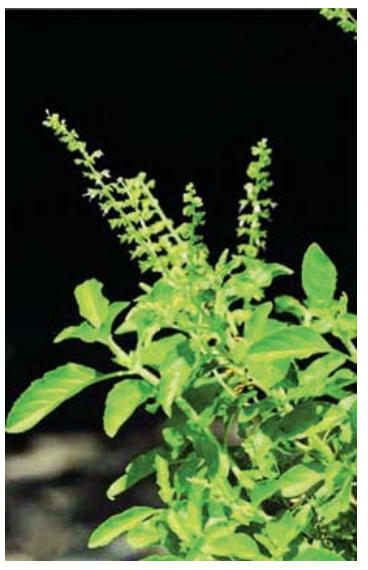
### तनाव से मुक्ति

तुलसी की पत्तियों में भरपूर मात्रा में अडैप्टोजेन होता है, जो स्ट्रेस लेवल को कम करने में मददगार है। तुलसी की पत्तियां नर्वस सिस्टम को रिलैक्स करती हैं। इसे खाकर सोने से मन शांत होता और बेहद पॉजिटिव महसूस होता है।

### सिर दर्द होता है गायब

### सर्दी- जुकाम से मिलती है राहत

तुलसी की पत्तियों में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो वायरस का जड़ से खत्म कर देते हैं। रातभर इन्हें मुंह में रखकर सोने से सर्दी-जुकाम से राहत मिलती है।



अगर आपको लगातार सिर में दर्द रहता है और इस वजह से नींद भी नहीं आती है तो अपने मुंह में पत्ते रखकर सोएं। इसमें मौजूद गुण सिर के दर्द को कम करते हैं।

### ब्लड शुगर रहता है कंट्रोल में

जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या है उन्हें तुलसी का सेवन जरूर करना चाहिए। इससे शरीर में इंसुलिन हार्मोन के उत्पादन बढ़ता है और ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है।

### इम्यूनिटी होता है बूस्ट

तुलसी की पत्तियों में मौजूद विटामिन सी एक पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट है। रोजाना इसे मुंह में रखकर सोने से शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है।

## चेहरे पर कैसे लगाएं मुल्तानी मिट्टी? इस तरह मिलेंगे बेहतर रिजल्ट्स

चेहरे की खूबसूरती और नेचुरल ग्लो बढ़ाने के लिए मुल्तानी मिट्टी का उपयोग कई लगो करते हैं। यह स्किन से ऑयल और गंदगी हटाकर उसे साफ, मुलायम और फ्रेश बनाती है।

चेहरे पर चमक बनाए रखने के लिए लोग तरह-तरह की चीजों का उपयोग करते हैं। कई लोग मार्केट से महंगे-महंगे प्रोडक्ट्स खरीदकर उपयोग करते हैं, तो कुछ लोग घर में ही मौजूद चीजों को लगाते हैं। ऐसे में अगर आप भी स्किन को मुलायम और चमकदार बनाना चाहते हैं, तो मुल्तानी मिट्टी का उपयोग कर सकते हैं।

मुल्तानी मिट्टी को चेहरे पर लगाने से कई तरह के फायदे होते हैं। इसका फेस पैक स्किन को गहराई से साफ करता है और चेहरे से एक्स्ट्रा ऑयल को कंट्रोल भी करता है।



हालांकि, कई बार लोग इसका गलत तरीके से उपयोग कर लेते हैं, जिससे स्किन ड्राई या रफ हो सकती है। अगर आप भी अपने चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी लगा रहे हैं, तो कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें।

### चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी लगाने का तरीका

चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी लगाने के लिए सबसे पहले चेहरे को सही से साफ कर लें, ताकि स्किन के पोर्स खुल जाएं और गंदगी साफ हो सके। अब आप एक बाउल में दो चम्मच मुल्तानी मिट्टी लें और इसमें अपनी स्किन टाइप के मुताबिक कुछ चीजें मिला लें। आप इसके लिए किसी डॉक्टर से भी परामर्श ले सकते हैं।

अगर आपकी स्किन ड्राई है, तो आप मुल्तानी मिट्टी के साथ दूध या गुलाबजल का उपयोग कर सकते हैं। अगर आपकी स्किन ऑयली है, तो इसके साथ आप नींबू का रस या एलोवेरा जेल का उपयोग कर सकते हैं। वहीं, नॉर्मल स्किन के लिए साफ पानी या दही बेहतर होता है।

### चेहरे पर कैसे लगाएं मुल्तानी मिट्टी

मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक तैयार करने के बाद आप किसी मुलायम ब्रश या फिर उंगलियों की मदद से इसे चेहरे पर समान रूप से लगाएं। अब इसे करीब 10-15 मिनट तक सूखने दें। इसके बाद इसे साफ पानी से धो लें। चेहरे से फेस पैक हटाने के बाद कोई हल्का मॉइस्चराइजर जरूर लगाएं। इससे त्वचा में नमी बनी रहती है।





# 'आई प्ले रॉकी' के प्रीमियर पर कार्तिक आर्यन ने दिया सपनों, दृढ़ संकल्प और खुद पर विश्वास रखने के महत्व का संदेश

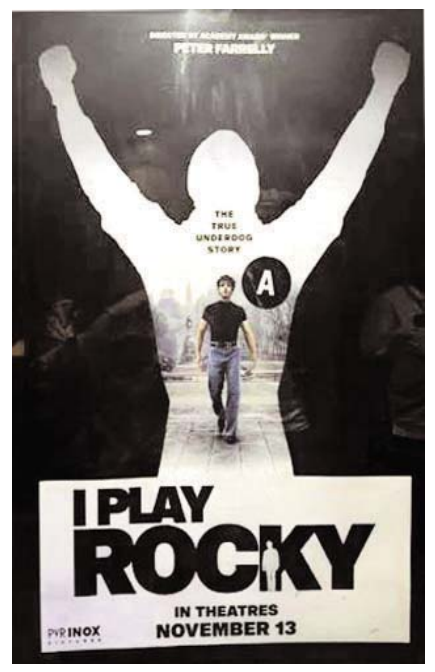
**मुंबई फिल्म 'आई प्ले रॉकी' के प्रीमियर पर कार्तिक आर्यन ने सपनों, दृढ़ संकल्प और खुद पर विश्वास रखने के महत्व को लेकर एक दिल छू लेने वाला संदेश दिया। फिल्म को सपने देखने वालों और अपने सपनों पर विश्वास करने वालों की कहानी बताते हुए अभिनेता ने कहा कि यह उन सभी लोगों से जुड़ाव महसूस कराएगी, जिन्हें कभी न कभी यह कहा गया है कि उनकी महत्वाकांक्षाएं पूरी नहीं हो सकतीं।**

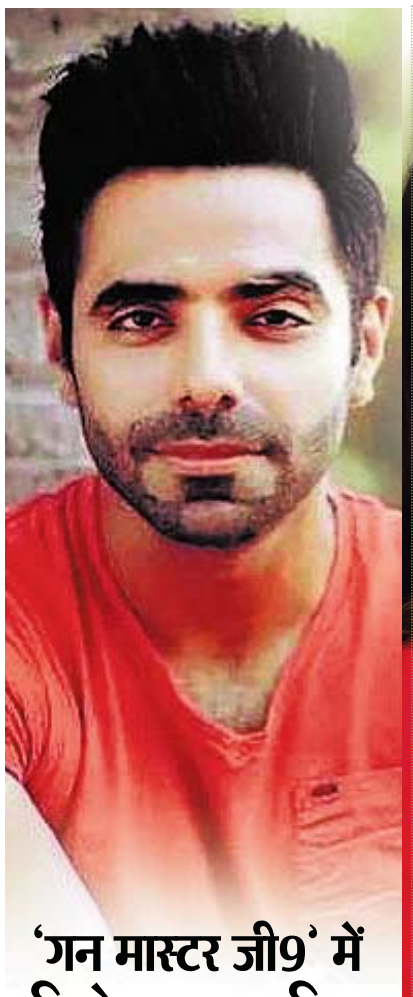
अपनी बात रखते हुए उन्होंने कहा, 'यह फिल्म उन सभी लोगों के बारे में है, जो सपने देखते हैं और अपने सपनों पर विश्वास करते हैं। ऐसे लोग, जिनसे अक्सर कहा जाता है कि 'नहीं हो सकता, यह तू कभी नहीं बन सकता, यह कभी नहीं बन सकती।' मेरा मानना है कि यह फिल्म आपको विश्वास दिलाएगी कि आप यह कर सकते हैं और अपने सपनों को हासिल कर सकते हैं, चाहे कुछ भी हो जाए।'

अपने सफर से फिल्म की तुलना करते हुए कार्तिक ने बताया कि किस तरह ओरिजिनल फिल्म 'रॉकी' कई पीढ़ियों को प्रेरित करती आई है। उन्होंने यह भी साझा किया कि फिल्म का मशहूर गाना 'आई ऑफ द टाइगर' मुश्किल वक्त में उन्हें व्यक्तिगत रूप से प्रेरित करता है। उन्होंने कहा, 'मेरे सफर में कई बार ऐसा हुआ है कि जब भी मैं खुद को निराश महसूस करता हूं, तो 'आई ऑफ द टाइगर' एक ऐसा गाना है, जो मेरे लिए थीम सॉन्ग की तरह है और मुझे बहुत प्रेरित करता है। इसके बाद मैं बाकी चीजों से ध्यान हटाकर दोबारा अपने सपनों की दिशा में काम करना शुरू कर देता हूं।'

कार्तिक की ये बातें उस समय और भी खास हो गईं, जब उन्होंने ऐसे संदेश पर बात की, जो फिल्म इंडस्ट्री में उनके अपने सफर से काफी हद तक जुड़ा हुआ है। चुनौतियों का सामना करने से लेकर अपनी अलग पहचान बनाने तक, कार्तिक की कहानी फिल्म के बड़े संदेश यानी दृढ़ता और आत्मविश्वास को दर्शाती है। प्रीमियर पर उनकी स्पीच ने इस बात को रेखांकित किया कि आलोचनाओं, असफलताओं और दूसरों की सोच की परवाह किए बिना अपने सपनों पर ध्यान केंद्रित रखना कितना जरूरी है।

फिल्म को लेकर अपना उत्साह जाहिर करते हुए कार्तिक ने सिनेमा और 'आई प्ले रॉकी' के नाम एक जाम उठाया। साथ ही उन्होंने दर्शकों से फिल्म का पोस्ट-क्रेडिट सीन मिस न करने की अपील की। उन्होंने बताया कि वह खुद फिल्म देख चुके हैं और इसे दोबारा देखने की योजना बना रहे हैं। उनके मुताबिक, फिल्म का पोस्ट-क्रेडिट सीन दर्शकों के लिए एक प्यारा सा सरप्राइज है। प्रीमियर पर अपनी बातों के जरिए कार्तिक ने दर्शकों को एक खास संदेश दिया कि अपने सपनों पर विश्वास रखें, उन्हें पूरा करने के लिए लगातार मेहनत करते रहें और किसी को भी यह न कहने दें कि आप अपने सपने पूरे नहीं कर सकते।



## 'गन मास्टर जी9' में दिखेगा अपारशक्ति का खतरनाक अवतार

जब भी अपारशक्ति खुराना का नाम आता है, तो सबसे पहले स्त्री के प्यारे और मजेदार दोस्त बिट्टू की याद आती है, जो 'सॉफ्ट चिट्ठी, वॉर्म चिट्ठी' कहते नजर आते हैं। लेकिन अब अपारशक्ति ने अपने इस पुराने अंदाज को पीछे छोड़ दिया है। 'गन मास्टर जी9' में वह एक ऐसे खतरनाक विलेन के रूप में नजर आने वाले हैं, जिसे देखकर अच्छे-अच्छों के पसीने छूट जाएं!

फिल्म का शानदार ट्रेलर रिलीज हो चुका है और इसमें अपारशक्ति का ऐसा रूप देखने को मिला है, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। इतना तो तय है कि फिलहाल बिट्टू की मासूमियत को भूल जाइए, क्योंकि अब पर्दे पर उनका खतरनाक अंदाज छाने वाला है।

फिल्म में अपारशक्ति की पहली झलक से ही साफ हो जाता है कि वह इस बार एक अलग ही रूप में नजर आने वाले हैं। उनकी डरावनी नजरें, चेहरे के भाव और डायलॉग बोलने का अंदाज उनके किरदार को और भी खतरनाक बनाता है। सिर्फ इतना ही नहीं, एक्शन के मामले में भी वह किसी से पीछे नहीं हैं। उनके लड़ाई वाले दृश्य और जबरदस्त अंदाज उनके किरदार में एक अलग ही रोमांच पैदा करते हैं। फिल्म में अपारशक्ति, इमरान हाशमी के लिए सबसे बड़ा खतरा बनकर सामने आते हैं। ऐसे में दोनों के बीच होने वाली टक्कर को पर्दे पर देखना काफी दिलचस्प होने वाला है। अपारशक्ति का लुक भी उनके इस नए किरदार को खास बनाता है। कंधों तक लंबे और बिखरे हुए बाल, रंग-बिरंगी प्रिंट वाली शर्ट, धातु के फ्रेम वाला चश्मा और बोलने का अलग अंदाज उनके किरदार को एकदम देसी और खुरदरा रूप देते हैं। खास बात यह है कि अपारशक्ति अपने किरदार को दमदार बनाने के लिए न तो किसी बड़े फिल्मी अंदाज में एंट्री लेते हैं और न ही ऊंची आवाज में चिल्लाते हैं। उनका अंदाज और उनका बेखौफ व्यक्तित्व ही उनकी मौजूदगी का एहसास करा देता है। ट्रेलर देखकर तो यही लगता है कि बॉलीवुड में अब विलेन के किरदारों को एक नए अंदाज में पेश किया जा रहा है और अपारशक्ति इस बदलाव की एक शानदार मिसाल बनने वाले हैं! 'गन मास्टर जी9 आगामी 27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



# साउथ एक्टर्स को हिंदी एक्सेंट के लिए ट्रोल करना 'बिल्कुल सही नहीं' है

**'जेलर 2' की एक्ट्रेस अपेक्षा पोरवाल ने कहा कि साउथ इंडियन एक्टर्स को उनके हिंदी एक्सेंट के लिए ट्रोल किया जाना 'बिल्कुल सही नहीं' है। खास बातचीत में अपेक्षा ने बताया कि मजाक उड़ाने के बजाय एक्टर की मेहनत पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग एक्टर्स को ट्रोल कर रहे हैं, अगर उनसे कहा जाए तो शायद वे खुद भी कोई दूसरी भाषा नहीं बोल पाएंगे।**

अपेक्षा से पूछा गया, 'आजकल, साउथ इंडियन एक्टर्स को अक्सर सोशल मीडिया पर उनके हिंदी एक्सेंट और बोलने के तरीके के लिए ट्रोल किया जाता है। आप इस ट्रेंड को कैसे देखती हैं? क्या उन आर्टिस्ट्स का मजाक उड़ाना सही है, जो दूसरी भाषा में बात करने की कोशिश कर रहे हैं?'

यह समझाते हुए कि जिस भाषा को आप अच्छी तरह नहीं जानते, उसमें काम करना कितना मुश्किल है, उन्होंने आईएएनएस को बताया, 'हमें यह समझना चाहिए कि जब कोई किसी खास भाषा में कम्फर्टेबल नहीं होता, लेकिन फिर भी उसे सीखने और बोलने की कोशिश कर रहा होता है, तो हमें उस कोशिश की तारीफ करनी चाहिए, न कि उस पर हंसना या उसे ट्रोल करना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'मुझे यकीन है कि अगर इन्हीं ट्रोल्स से दूसरी भाषा बोलने के लिए कहा जाए, तो शायद वे खुद ऐसा नहीं कर पाएंगे। जब कोई कड़ी मेहनत कर रहा हो और कोशिश कर रहा हो, तो उसकी तारीफ होनी चाहिए, बुराई नहीं।'

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना को हाल ही में अपने हिंदी एक्सेंट के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था। चैट शो 'कॉफी विद करण' के सीजन 9 में आने के दौरान 'एनिमल' फेम एक्ट्रेस ने बताया कि अपने पूरे करियर में उन्हें अपने एक्सेंट को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ा है। हालांकि, रश्मिका ने कहा कि उन्होंने कभी भी आलोचना को अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्री और भाषाओं में काम करने से रोकने नहीं दिया। रश्मिका ने बताया कि साउथ इंडिया से होने की वजह से उनका एक्सेंट नेचुरली आता है। एक्ट्रेस ने आगे जोर देकर कहा कि वह खुद को एक इंडस्ट्री तक लिमिट करने के बजाय कई भाषाओं में काम करना चाहती हैं।



# ग्लोबल म्यूजिक स्टेज पर दोसांझ, दुआ लीपा और मैडोना संग परफॉर्म करेंगे दिलजीत दोसांझ

पंजाबी म्यूजिक का जलवा अब दुनियाभर में देखने को मिल रहा है। सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ एक बार फिर अपने म्यूजिक से इंटरनेशनल स्टेज पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। दिलजीत दुनिया के सबसे बड़े म्यूजिक फेस्टिवल्स में शामिल कोचेला वैली म्यूजिक एंड आर्ट्स फेस्टिवल 2027 में परफॉर्म करते नजर आएंगे। फेस्टिवल के आयोजकों ने अगले साल होने वाले इस इवेंट की कलाकारों की लिस्ट जारी कर दी है, जिसमें दिलजीत के साथ दुआ लीपा, टेम इम्पाला और एसजेडए जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इसके अलावा पॉप म्यूजिक की दिग्गज सिंगर मैडोना, जेआईएसओओ, फोएबे ब्रिजर्स और रोबिन भी इस फेस्टिवल का हिस्सा होंगी। कोचेला 2027 का आयोजन कैलिफोर्निया के इंडियो स्थित एम्पायर पोलो क्लब में होगा। यह फेस्टिवल दो वीकेंड में आयोजित किया जाएगा। पहला वीकेंड 9 से 11 अप्रैल और दूसरा वीकेंड 16 से 18 अप्रैल तक चलेगा। इस बार शुक्रवार को दुआ लीपा, शनिवार को टेम इम्पाला और रविवार को एसजेडए हेडलाइनर के तौर पर परफॉर्म करेंगे। तीनों कलाकार अपने अलग-अलग म्यूजिक स्टाइल के लिए जाने जाते हैं। जहां दुआ लीपा अपने पॉप म्यूजिक से दर्शकों का मनोरंजन करेंगी, वहीं टेम इम्पाला साइकेडेलिक रॉक और एसजेडए आरएंडबी म्यूजिक का रंग जमाएंगी।

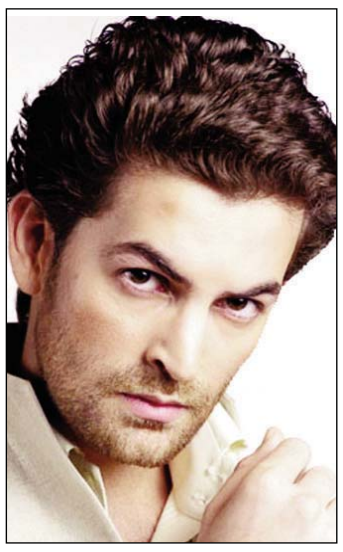
### 2023 में भी कोचेला का हिस्सा बने थे दिलजीत

भारतीय फैंस के लिए इस बार दिलजीत दोसांझ का नाम लिस्ट में शामिल होना खास है। दिलजीत इससे पहले साल 2023 में भी कोचेला फेस्टिवल में परफॉर्म कर चुके हैं। उस समय उन्होंने पंजाबी भाषा में गाने गाकर दुनियाभर के दर्शकों का ध्यान खींचा था। वह इस फेस्टिवल के मंच पर परफॉर्म करने वाले शुरुआती पंजाबी भाषा के कलाकारों में शामिल थे। अब 2027 में उनकी वापसी से एक बार फिर पंजाबी म्यूजिक को इंटरनेशनल पहचान मिलने की उम्मीद है।

### मैडोना समेत ये बड़े कलाकार भी आएंगे नजर

इस बार कोचेला की लिस्ट में पॉप म्यूजिक की दिग्गज सिंगर मैडोना का नाम भी शामिल है। वह शुक्रवार को डांस टेंट में परफॉर्म करेंगी। वहीं डैडी यांकी को 'इन द डेजर्ट' स्पेशल बिलिंग दी गई है। इलेक्ट्रॉनिक म्यूजिक की मशहूर जोड़ी जस्टिस भी अपने गाने 'ब्लाइंडेड बाय द लाइट्स' के साथ बंकर में डेब्यू करेगी। फेस्टिवल के पहले दिन यानी शुक्रवार को जारा लार्सन, स्टीव लैसी, जेआईएसओओ, पैगी गू, केलेनी, लियोन थॉमस और जॉर्जियो मोरोडर जैसे कलाकार परफॉर्म करेंगे। वहीं शनिवार को फोएबे ब्रिज, वीजर, रोबिन, मैनेस्किन, एनसीटी, लियोन ब्रिजेस, टिएस्टो, मार्टिन गैरिक और अंडरवर्ल्ड जैसे नाम शामिल हैं। रविवार को डॉन टॉलिवर, डोम डॉला, कायगो, एम्पायर ऑफ द सन, फोर टेट, द नेबरहुड, बेकी जी, बेबीमॉन्स्टर, विक्टोरिया मोनेट और जोरजा स्मिथ अपनी परफॉर्मेंस देंगे।

# नील आपको यह एहसास नहीं होने देते कि आप किसी सीनियर अभिनेता के साथ काम कर रहे हैं



अभिनेत्री कशिका कपूर सॉन्ग 'बेवफा से' में नील नितिन मुकेश के साथ नजर आ रही हैं। उनके साथ काम करने के अनुभव को शेयर करते हुए कशिका ने बताया कि वह कभी आपको यह एहसास नहीं होने देते कि आप किसी सीनियर अभिनेता के साथ काम कर रहे हैं। अभिनेत्री कशिका कपूर ने बातचीत में अभिनेता नील नितिन मुकेश के साथ काम करने के अनुभव को मजेदार बताते हुए कहा, 'किसी सीनियर एक्टर से आपको हमेशा कुछ न कुछ सीखने को मिलता है और नील को इंडस्ट्री में कई साल काम करने का काफी अनुभव है। यह एक शानदार सीखने वाला अनुभव था और हमने खूब मस्ती भी की। कभी ऐसा लगा ही नहीं कि मैं किसी इतने सीनियर एक्टर के साथ काम कर रही हूं।' अभिनेत्री ने बताया कि शूट होने से पहले उन्हें गाने के बारे में ज्यादा बातें नहीं बताई गई थीं। उन्होंने कहा, 'नील नितिन मुकेश के आने से कुछ महीने पहले ही यह प्रोजेक्ट लॉक हो गया था, लेकिन हमें नहीं पता था कि यह गाना सच में बनेगा या इसका कॉन्सेप्ट क्या होगा। आखिर में जब नील नितिन मुकेश फाइनल हुए तो मेकर्स ने गाने की धुन को देखते हुए इसमें एक डांस नंबर जोड़ने का फैसला किया। हमने रिहर्सल शुरू की और सब कुछ काफी अच्छा हुआ। तभी कहानी भी तैयार हुई।'

कशिका कपूर ने बताया, 'मुझे उम्मीद थी कि गाना लोगों को पसंद आएगा, लेकिन जो रिस्पॉन्स मिल रहा है, वो कमाल का है। मुझे लगता है जेन जी इस कहानी से इसलिए जुड़ रहे है, क्योंकि हमारी जनरेशन में ऐसी चीजें काफी आम होती जा रही हैं। ओपन रिलेशनशिप और धोखा जैसी चीजें हम अपने आसपास देखते हैं और शायद यही वजह है कि दर्शक इस गाने से इतना जुड़ाव महसूस कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'लोगों ने हमारे गाने को खुले दिल से अपनाया है और इतना प्यार दिया है। मैं इस रिस्पॉन्स के लिए बहुत आभारी हूं। लोग मेरे डांस और एक्सप्रेशन्स की तारीफ कर रहे हैं और मुझे लगता है सबको यह गाना पसंद आ रहा है। यही हमारी सबसे बड़ी कामयाबी है।



## एक नजर

### नेपाल से दिल्ली ले जाया जा रहा 8.39 किलो गांजा एसएसबी ने पकड़ा

**महिला के दो बैगों से मिले गांजे के 15 पैकेट,**

**आरोपी महिला गिरफ्तार कर एनसीबी को सौंपा**

**के.के.पी संवाददाता/सितारगंज।** भारत-नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत सशस्त्र सीमा बल के जवानों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिला के कब्जे से 8.39 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। महिला नेपाल से गांजा लेकर भारत में प्रवेश कर रही थी। जवानों की सतर्कता के चलते मादक पदार्थों की तस्करी का प्रयास विफल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, भारत-नेपाल सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल की बनबसा चौकी पर जवान नियमित जांच कर रहे थे। इसी दौरान नेपाल से भारत की ओर आ रही एक संदिग्ध महिला के सामान की जांच की गई। सामान की विशेष जांच मशीन से पड़ताल करने पर महिला के दो बैगों में संदिग्ध वस्तु दिखाई दी। इसके बाद जवानों ने दोनों बैगों की तलाशी ली तो उनमें गांजे के 15 पैकेट बरामद हुए।

जांच के दौरान बरामद गांजे का कुल वजन 8.39 किलोग्राम पाया गया। पूछताछ में महिला ने अपना निवासी जबलपुर, मध्य प्रदेश बताया। उसने बताया कि वह गांजा काठमांडू, नेपाल से नई दिल्ली ले जा रही थी।

सशस्त्र सीमा बल के जवानों ने गांजे को कब्जे में लेकर जब्ती सहित आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी की। इसके बाद महिला का टनकपुर स्थित सरकारी चिकित्सालय में चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया। सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद महिला और बरामद गांजे को आगे की कार्रवाई के लिए देहरादून स्थित स्वापक नियंत्रण ब्यूरो को सौंप दिया गया।

सशस्त्र सीमा बल के अधिकारियों के अनुसार, सीमा पर नियमित जांच और जवानों की सतर्कता के चलते मादक पदार्थों की तस्करी के प्रयास को नाकाम किया गया। सीमा पर निगरानी और जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा।

### अवैध खनन पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, देवहा नदी क्षेत्र में दो जेसीबी मशीनें सीज

**मेहरबान नगर में पुलिस की छापेमारी से खनन**

**कारोबारियों में मचा हड़कंप, कई वाहन चालक मौके से फरार**

**पकड़ी गई जेसीबी मशीनों के चालकों की तलाश में जुटी पुलिस**

**के.के.पी संवाददाता/खटीमा।** (दीपक भारद्वाज)क्षेत्र में अवैध खनन के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मेहरबान नगर स्थित देवहा नदी क्षेत्र में छापेमारी कर अवैध खनन में लिप्त दो जेसीबी मशीनों को पकड़ लिया। पुलिस ने दोनों मशीनों को कब्जे में लेकर सीज कर दिया है। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध खनन कारोबारियों में हड़कंप मच गया। वहीं, छापेमारी की भनक लगते ही मौके पर मौजूद कई अन्य वाहन चालक अपने वाहनों को लेकर फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार, खटीमा क्षेत्र के मेहरबान नगर में देवहा नदी के आसपास अवैध खनन किए जाने की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने नदी क्षेत्र में छापेमारी की। पुलिस टीम को मौके पर अवैध खनन की गतिविधियों में दो जेसीबी मशीनें लगी हुई मिलीं। पुलिस को देखकर वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान कई वाहन चालक अपने वाहनों को लेकर मौके से भागने में सफल रहे, जबकि पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों जेसीबी मशीनों को पकड़ लिया।

पुलिस ने दोनों मशीनों को अपने कब्जे में लेकर सीज करने की कार्रवाई की। हालांकि, कार्रवाई के दौरान जेसीबी मशीनों के चालक मौके पर नहीं मिले। पुलिस ने उनकी पहचान कर तलाश शुरू कर दी है। साथ ही क्षेत्र में अवैध खनन से जुड़ी अन्य गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है।

पुलिस की इस कार्रवाई के बाद अवैध खनन में जुटे लोगों में खलबली मची हुई है। स्थानीय स्तर पर नदी क्षेत्र में लगातार हो रही खनन गतिविधियों को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। पुलिस का कहना है कि अवैध गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक राकेश राय, राजेंद्र प्रसाद, रमेश कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

### झारखंड में इबोला को लेकर अलर्ट, अस्पतालों को 24 घंटे स्क्रीनिंग के निर्देश

रांची। झारखंड में इबोला वायरस के संभावित खतरे को देखकर राज्य की हेंमत सोरोन सरकार अलर्ट मोड पर आ गई है। हालांकि, अब तक राज्य में इबोला संक्रमण का कोई मामला सामने नहीं आया है, लेकिन एहतियात के तौर पर स्वास्थ्य विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा की और रिम्स, मेडिकल कॉलेजों, सदर अस्पतालों सहित सभी स्वास्थ्य संस्थानों को केंद्र सरकार की गाइडलाइन का पालन करने का निर्देश दिया। मंत्री अंसारी ने अस्पतालों को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा है।

# जिले के उत्कृष्ट बुनकरों, हस्तशिल्पियों एवं उद्यमियों को किया गया सम्मानित, जिलाधिकारी ने प्रदान किए पुरस्कार

**के.के.पी संवाददाता**

**पिथौरागढ़।** पश्मीना शॉल, हस्तशिल्प, मिलेट उत्पाद एवं ग्रीन टी सहित विभिन्न उत्पादों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले उद्यमियों का चयन हुआ।

जिलाधिकारी आशीष कुमार भटगांई की अध्यक्षता में जिला कलेक्ट्रेट में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र के उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पुरस्कार योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जिला स्तरीय पुरस्कार चयन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के उत्कृष्ट बुनकरों, हस्तशिल्पियों एवं उद्यमियों का विभिन्न श्रेणियों में



पुरस्कार हेतु चयन किया गया।

इस अवसर पर महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र कविता भगत ने बताया कि योजना के अंतर्गत प्रत्येक वर्ष जिला स्तर पर हथकरघा, हस्तशिल्प एवं लघु उद्योग क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इसके लिए जिला उद्योग केंद्र द्वारा आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। प्रत्येक क्षेत्र में प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। पुरस्कार के अंतर्गत प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न के साथ प्रथम पुरस्कार विजेता को 6,000 रुपये तथा द्वितीय पुरस्कार विजेता को 4,000 रुपये की धनराशि प्रदान की जाती है। जिला स्तरीय चयन समिति द्वारा बुनकरों, हस्तशिल्पियों एवं लघु उद्यमियों के प्रदर्शित उत्पादों का अवलोकन एवं मूल्यांकन करने के उपरांत विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट उत्पादों का चयन किया गया। पुरस्कार के लिए चयनित उद्यमियों में हथकरघा क्षेत्र के अंतर्गत पश्मीना शॉल में श्रीमती राधा देवी, डीडीहाट को प्रथम तथा श्रीमती नन्दा देवी को द्वितीय पुरस्कार के लिए चयनित किया गया। हस्तशिल्प क्षेत्र में वुडन चारधाम उत्पाद के लिए श्री अनिल कुमार को प्रथम तथा ऐपण फ्रेम उत्पाद के लिए कु. मंजू भंडारी को द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं उद्योग क्षेत्र में मिलेट उत्पाद एवं ग्रीन टी के लिए श्री हिमांशु जोशी (प्राइड ऑफ हिमालया) को प्रथम तथा कुल्फी उत्पाद के लिए त्रिलोचन पंत सेलर्स को द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उपस्थित बुनकरों, हस्तशिल्पियों एवं उद्यमियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए बधाई देते हुए अपने उत्पादों में निरंतर नवाचार अपनाने, गुणवत्ता बनाए रखने तथा स्थानीय उत्पादों को नई पहचान दिलाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए ऐसे प्रयास महत्वपूर्ण हैं।

# 1991 और 1997 के पुराने आदेशों से छेड़छाड़ की आशंका

**रविवार को जारी आदेश भी संदेह के घेरे में**

**न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने दर्ज की प्राथमिकी,**

**पुराने राजस्व दस्तावेजों की होगी जांच**

**के.के.पी संवाददाता**

**सितारगंज।** सरकारी भूमि को राजस्व अभिलेखों में कथित रूप से हेराफेरी कर निजी व्यक्तियों के नाम दर्ज कराने का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि वर्षों पहले सरकारी भूमि के रूप में दर्ज की गई जमीन को सुनियोजित तरीके से राजस्व अभिलेखों में बदलाव कर निजी अधिकार वाली भूमि के रूप में दर्शा दिया गया। इसके लिए पुराने राजस्व आदेशों और दस्तावेजों में कथित रूप से छेड़छाड़ किए जाने की आशंका जताई गई है। मामले में भूमि के स्वामित्व और राजस्व अभिलेखों में दर्ज प्रविष्टियों की वैधता पर सवाल उठाए गए हैं। शिकायतकर्ता की ओर से न्यायालय में याचिका दायर किए जाने के बाद न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव दड़हा निवासी सुनील यादव ने न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि संबंधित भूमि का मामला कई दशक पुराना है। उनके अनुसार, राजस्व अभिलेखों में वर्ष 1991 और 1997 में पारित आदेशों के अनुपालन में खाता संख्या 79 की कुल 2.403 हेक्टेयर भूमि को नवीन परती के रूप में दर्ज किया गया था। यह भूमि गांव लौका निवासी खैरा सिंह से सरकारी कब्जे में ली गई थी। इसके बाद राजस्व अभिलेखों में जमीन को सरकारी श्रेणी में दर्ज कर दिया गया था। शिकायतकर्ता का कहना है कि संबंधित आदेशों के बाद भूमि पर सरकार का अधिकार स्थापित हो चुका था और राजस्व अभिलेखों में भी इसे सरकारी भूमि के रूप में दर्शाया गया था।

### सरकारी भूमि के अलग-अलग हिस्से निजी नामों पर दर्ज करने का आरोप

शिकायतकर्ता का आरोप है कि सरकारी श्रेणी में दर्ज होने के बावजूद बाद में संबंधित भूमि के राजस्व अभिलेखों में बदलाव कर इसके अलग-अलग हिस्सों को निजी व्यक्तियों के नाम दर्ज करा दिया गया। गांव लौका निवासी सुरजीत सिंह, हरवंश सिंह और जगतार सिंह के नाम भूमि दर्ज किए जाने का उल्लेख राजस्व अभिलेखों में सामने आया है। आरोप है कि इस प्रक्रिया में पुराने राजस्व आदेशों और संबंधित दस्तावेजों में कथित रूप से हेराफेरी की गई। सुनील यादव के अनुसार, भूमि को नवीन परती की श्रेणी से हटाकर संक्रमणीय अधिकार वाली भूमि के रूप में दर्ज कराने का प्रयास किया गया। इसके चलते सरकारी भूमि को निजी व्यक्तियों के अधिकार वाली जमीन के रूप में प्रदर्शित किया जाने लगा। शिकायतकर्ता ने सवाल उठाया है कि जब भूमि पूर्व में विधिवत सरकारी खाते में दर्ज थी तो बाद में किन आदेशों और किन परिस्थितियों में इसके स्वरूप में बदलाव किया गया। राजस्व अभिलेखों में की गई इन प्रविष्टियों के पीछे अपनाई गई प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कराने की मांग भी की गई है।

## योगी का सपा पर वार: गुंडे-माफिया कभी सीधे नहीं हो सकते

लखनऊ। गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) और उसके अध्यक्ष अखिलेश यादव पर रोड शो के दौरान हुई 14 वर्षीय मासूम आर्यवर्धन सिंह की मौत को लेकर कड़ा प्रहार किया। मुख्यमंत्री ने सपा को माफिया पोषक करार देकर कहा कि गुंडे-माफिया कभी सीधे नहीं हो सकते और उन्हें केवल डंडे से ही सीधा किया जा सकता है, जो काम उनकी सरकार कर रही है। सीएम योगी ने अपनी बात को बल देकर एक तीखी तुलना की। उन्होंने कहा, जैसे कुत्ते की पूंछ कभी सीधी नहीं हो सकती, उसी तरह सपा के गुंडे-माफिया कभी सीधे नहीं हो सकते। इन्हें डंडे से ही सीधा किया जा सकता है। उन्होंने सपा के रोड शो में व्याप्त अराजकता पर सवाल उठाकर कहा कि उनकी सरकार ने बेहतर सड़कें माफिया पोषक पार्टी के गुंडों को अराजकता फैलाने के लिए नहीं बनवाई हैं, बल्कि विकास और सुशासन के लिए बनाई हैं। मुख्यमंत्री ने इस बात पर हरी नाराजगी जाहिर की कि दुर्घटना के बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना के दो शब्द भी नहीं कहे। उन्होंने भावुक होकर पूछा, आखिर उस होनहार मासूम आर्यवर्धन की गलती क्या थी? योगी ने घोषणा की कि वह स्वयं पीड़ित परिवार के घर जाएंगे और उन्हें हर हाल में न्याय दिलाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य में किसी भी कीमत पर अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और माफियापोषक पार्टी के गुंडों को उनकी सही जगह दिखाई जाएगी। अपने निर्धारित कार्यक्रमों के तहत, मुख्यमंत्री योगी ने इससे पहले वानिकी विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया, जहां वनमंत्री अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय का नाम ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ के नाम पर रखने की घोषणा की।

# भाखड़ा नहर पर पुल ढहा, दो ट्रक फंसे, भीषण आग

पटियाला। पंजाब के पटियाला में गुरुवार सुबह भाखड़ा नहर पर बना एक पुल ढह गया। हादसे में दो ट्रक पुल के क्षतिग्रस्त हिस्से में फंस गए, जिसमें से एक में भीषण आग लग गई। हालांकि, गनीमत रही कि दुर्घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

यह घटना सुबह करीब छह बजे पटियाला-संगरूर बायपास (एनएच-07) पर हुई। करीब 60 मीटर लंबा स्टील ट्रस पुल अचानक ढह गया, जिससे बालू से भरा एक ट्रक और दूसरा ट्रक बीच में ही अटक गए। एक ट्रक चालक सुखविंदर सिंह ने बताया कि दूसरे ट्रक के फंसते ही उन्होंने अपना वाहन रोकने का प्रयास किया, जिससे उनके पैर में मामूली चोट आई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमों ने आग पर काबू पाया और पुलिस ने स्थिति संभाली। हादसे के बाद मौके पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी। प्रभावित मार्ग पर यातायात



को तत्काल मोड़ दिया गया।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने बताया कि वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए बाई ओर के यातायात को सर्विस रोड पर मोड़ा गया है। घटनास्थल पर चौबीसों घंटे सुरक्षा कर्मी, संकेतक और रोशनी की व्यवस्था की जा रही है। पुल ढहने के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चला है, लेकिन स्थानीय निवासियों के अनुसार, पुल पहले भी हिलता था और इसकी शिकायत अधिकारियों से की गई थी। स्थानीय निवासी पवन कुमार ने पुल को करीब एक दशक पुराना बताया। एनएचएआई के अनुसार, चार लेन वाले पटियाला बायपास खंड को 2018 में उसे सौंपा गया था और अब यह मार्ग उसके अल्पकालिक रखरखाव अनुबंध के तहत है।

## आगामी विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने लक्ष्मण सिंह महर परिसर का किया निरीक्षण, स्ट्रांग रूम, पोलिंग पार्टियों की रवानगी एवं मतगणना व्यवस्थाओं के संबंध में लिया जायजा

**के.के.पी संवाददाता**

**पिथौरागढ़।** आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के दृष्टिगत जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने आज लक्ष्मण सिंह महर परिसर पहुंचकर निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव के दौरान इसी परिसर में स्ट्रांग रूम स्थापित किए जाने के साथ ही पोलिंग पार्टियों की रवानगी तथा मतगणना का कार्य भी संपन्न कराया जाना प्रस्तावित है।

इस दौरान जिलाधिकारी ने स्ट्रांग रूम की स्थापना, पोलिंग पार्टियों की रवानगी एवं मतगणना के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने परिसर में उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था, आवागमन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि आगामी



विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत सभी व्यवस्थाओं का समय से आकलन कर आवश्यक तैयारियां अभी से सुनिश्चित की जाएं। निर्वाचन प्रक्रिया के प्रत्येक चरण को सुचारू, पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाएं। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के सभी दिशा निर्देशों का पालन करते हुए ही व्यवस्थाएं पूर्ण की जाएं।

इस दौरान निदेशक लक्ष्मण सिंह महर परिसर हेम चंद्र पांडे, उपजिलाधिकारी सदर जितेंद्र वर्मा, तहसीलदार विजय गोस्वामी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

# मिस यूनिवर्स : सरहदें पिघलीं, दोस्ती मुस्कुराई

**भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश की प्रतिभागी सुंदरियों की एक साथ वाली तस्वीर हुई वायरल**

नई दिल्ली। भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच राजनीतिक तनाव और सरहदी तल्खी अक्सर सुर्खियों में रहती है, बावजूद इसके कि तीनों देशों का इतिहास और संस्कृति एक जैसी है। लेकिन प्यूर्टो रिको में चल रही मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता ने धारणा को चुनौती दी है। यहां इन तीनों पड़ोसी मुल्कों की सुंदरियों ने दुश्मनी को भुलाकर दोस्ती और सौहार्द का एक ऐसा अनूठा उदाहरण पेश किया है, जिसकी चर्चा आज हर तरफ हो रही है। प्रतियोगिता के दौरान भारत की काजिया लिज मेजो, पाकिस्तान की मिसबाह अरशद और बांग्लादेश की समीरा खान माही एक साथ आईं और उन्होंने सिस्टरहुड (आपसी सौहार्द) का भव्य जश्न मनाया। इन तीनों की एक साथ की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से




वायरल हो रहे हैं, जिसमें उनका स्नेह और बॉन्डिंग साफ झलक रही है। बांग्लादेश की समीरा खान माही ने इन यादगार पलों को साझा कर अपनी पोस्ट में लिखा, देश अलग हैं, झंडे अलग हैं, लेकिन प्यार और दोस्ती एक जैसी है। सरहद क्या रिश्ते के बीच कोई भी नहीं आ सकता। उन्होंने #सिस्टरहुड हैशटैग का भी इस्तेमाल किया। इस पर प्रतिक्रिया देकर पाकिस्तान की मिसबाह अरशद ने काजिया और समीरा को अपनी खूबसूरत बहनें बताया। यह भावुक आदान-प्रदान उन जटिल राजनीतिक रिश्तों के विपरीत था जो अक्सर इन देशों को परिभाषित करते हैं। इस मौके पर तीनों सुंदरियों ने बेहद आकर्षक परिधान पहने थे। भारत की काजिया लिज मेजो बरगंडी रंग के को-ऑर्ड सेट में नजर आईं, जिसमें एक स्ट्रैपलेस टॉप और ट्राउजर शामिल था। वहीं, बांग्लादेश की समीरा खान माही पाउडर ब्लू कलर के कस्टम-फिट ब्लेजर कम टॉप और टेलर्ड पैंट्स वाले पावर सूट में बेहद प्रभावशाली लग रही थीं। पाकिस्तान की मिसबाह अरशद भी एक शर्ट, स्कर्ट और कढ़ाई वाले कोर्सेट के साथ आधुनिक पश्चिमी आउटफिट में थीं। अपने-अपने देश का सैश पहने हुए, इन दक्षिण एशियाई देशों की सुंदरियों का यह सौहार्दपूर्ण अंदाज सोशल मीडिया पर छा गया, जहां लोग उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं।

यह क्षण न सिर्फ सुंदरता का जश्न था, बल्कि इस बात का प्रमाण भी कि मानवीय संबंध किसी भी राजनीतिक या भौगोलिक सीमा से परे होते हैं।

# मेले में युवती से छेड़छाड़, विरोध करने पर भाइयों समेत चार लोगों को पीटा

**युवती का आरोप- आरोपियों ने जैकेट उतारकर की अभद्रता, मारपीट कर जान से मारने की दी धमकी**

**पीड़िता ने 17 नामजद और एक अन्य के खिलाफ पुलिस को दी तहरीर, रात में 112 पर दी थी सूचना**

**के.के.पी संवाददाता**

**सितारगंज।(दीपक भारद्वाज)** रतनफार्म नंबर तीन के राजनगर गांव में लगे मेले के दौरान एक युवती के साथ छेड़छाड़ और विरोध करने पर उसके परिजनों व बीच-बचाव करने पहुंचे युवकों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता ने गांव के ही दो युवकों पर गलत नीयत से छेड़छाड़ करने और विरोध करने पर अपने साथियों के साथ मिलकर उसके भाइयों तथा अन्य युवकों को बेरहमी से पीटने का आरोप लगाया है। मामले में युवती ने 17 नामजद और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ कोतवाली सितारगंज में तहरीर देकर आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस को दी गई तहरीर में राजनगर रतनफार्म नंबर तीन निवासी पूजा मंडल पुत्री सुरजीत मंडल ने बताया कि करीब एक माह पूर्व उसने अपने मकान का निर्माण कराने के लिए घर के सामने दो हजार ईंटें रखवाई थीं। इस बात को लेकर गांव में कुछ लोगों के साथ विवाद हो गया था। मामले की सूचना उसने पुलिस चौकी में भी दी थी, लेकिन बाद में ग्राम पंचायत के माध्यम से विवाद का निपटारा करा दिया गया था। युवती का आरोप है कि इसके बावजूद विवाद में शामिल कुछ लोग उससे रंजिश रखने लगे थे और उसे मौका मिलने पर देख लेने की धमकी भी दी गई थी।

पीड़िता के अनुसार 13 नवंबर 2026 की रात करीब 11 बजे वह गांव में आयोजित मेले में घूम रही थी। इसी दौरान अमित चौधरी पुत्र बाबू चौधरी और विशाल व्यापारी पुत्र निरंजन व्यापारी उसके पीछे से आए। आरोप है कि दोनों युवकों ने गलत नीयत से उसकी कमर और शरीर के निचले हिस्से पर हाथ फेरना शुरू कर दिया। युवती ने इसका विरोध करते हुए शोर मचाया और जोर-जोर से चीखने लगी।

शोर सुनकर उसके मौसेरे भाई देव मजूमदार और ममेरे भाई आकाश व्यापारी मौके पर पहुंच गए। दोनों ने युवकों की हरकत का विरोध किया तो आरोप है कि अमित चौधरी और विशाल व्यापारी ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और लोहे के कड़ों तथा लात-घूंसों से मारपीट करने लगे।

तहरीर में आरोप लगाया गया है कि इसी दौरान आरोपियों के अन्य साथी भी मौके पर पहुंच गए और सभी ने मिलकर दोनों भाइयों को घेर लिया। युवती ने मारपीट में शामिल होने का आरोप लगाया है।

पीड़िता का आरोप है कि मारपीट के दौरान अमित चौधरी और विशाल व्यापारी ने उसकी जैकेट उतार दी और उसके साथ अश्लील हरकत करते हुए छाती पर गलत तरीके से हाथ लगाया। इसी बीच मेले में घूम रहे रितेश मंडल पुत्र सत्येंद्र मंडल और मोहित मंडल पुत्र विकास मंडल ने मौके पर पहुंचकर बीच-बचाव करने का प्रयास किया तो आरोपियों ने उनके साथ भी गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। इससे मेले में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बाद में मेले में मौजूद अन्य लोगों ने हस्तक्षेप कर किसी तरह मामला शांत कराया। युवती ने बताया कि घटना के दौरान ही उसने रात में आपातकालीन सेवा 112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दी थी। इसके बाद 15 नवंबर को कोतवाली सितारगंज पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ लिखित तहरीर सौंपी।

# विकसित भारत @2047 से पहले एकदम बढ़ेंगे मुसलमान! प्यू रिसर्च में कहां है हिंदू आबादी?

नई दिल्ली। अमेरिकी थिंक टैंक प्यू रिसर्च सेंटर की रिपोर्ट ने पूरी दुनिया के धार्मिक जनसांख्यिकी को लेकर बड़ा खुलासा किया है. अगर मौजूदा रुझान जारी रहे तो 2035 तक इस्लाम ईसाई धर्म को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे बड़ा धर्म बन जाएगा. यह अनुमान 2020 से 2070 तक के जनसांख्यिकीय बदलावों पर आधारित है, जिसमें 201 देशों और क्षेत्रों का विश्लेषण किया गया है, जो दुनिया की 99.98 प्रतिशत आबादी को कवर करते हैं.

प्यू रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक, 2020 में दुनिया में सबसे ज्यादा ईसाई (करीब 2.27 अरब) थे, जबकि मुसलमानों की आबादी दूसरे नंबर पर (करीब 2.02 अरब) थी. 2070 तक यह तस्वीर पूरी तरह बदल जाएगी. अनुमान है कि 2070 तक दुनिया में मुसलमानों की आबादी 3.64 अरब से ज्यादा हो जाएगी, जबकि ईसाइयों की आबादी 3 अरब से नीचे रह जाएगी.



इस बदलाव के पीछे सबसे बड़ी वजह प्रजनन दर है. रिपोर्ट बताती है कि मुस्लिम महिलाओं में औसतन 3.1 बच्चे होते हैं, जबकि ईसाई महिलाओं में यह औसत 2.5 है. किसी भी आबादी को खुद को बनाए रखने के लिए औसतन 2.1 बच्चों की जरूरत होती है. मुस्लिम आबादी इस स्तर से काफी ऊपर है.

इसके अलावा, धर्म परिवर्तन का असर भी बहुत कम है. रिपोर्ट के मुताबिक, 2020 से 2070 के बीच इस्लाम छोड़ने वालों की तुलना में इसमें शामिल होने वालों की संख्या बहुत कम है, जिससे सिर्फ 80 लाख लोगों का शुद्ध नुकसान होगा, बकि ईसाई धर्म में यह संख्या 10.5 करोड़ होगी. यानी, इस्लाम का बढ़ना मुख्य रूप से प्राकृतिक जनसंख्या वृद्धि की वजह से है, न कि धर्मांतरण से.

अब बात करते हैं भारत की, जो इस पूरी रिपोर्ट का सबसे अहम हिस्सा है. प्यू रिसर्च के मुताबिक, भारत में हिंदू आबादी का अनुपात घटेगा, जबकि मुस्लिम आबादी का अनुपात बढ़ेगा. हालांकि, यह बदलाव धीमी गति से होगा और भारत में हिंदुओं की बहुलता बनी रहेगी.

**मुस्लिम आबादी:** 2020 में भारत में मुसलमानों की आबादी करीब 21.3 करोड़ (15.2%) थी. अनुमान है कि 2070 तक यह बढ़कर 33.4 करोड़ (19.6%) हो जाएगी. यानी, अगले 50 सालों में भारत में मुस्लिम आबादी में करीब 12 करोड़ की बढ़ोतरी होगी. इसी वजह से 2070 तक भारत, इंडोनेशिया को पीछे छोड़कर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाला देश बन जाएगा.

**हिंदू आबादी:** 2020 में भारत में हिंदुओं की आबादी करीब 1.11 अरब (79.4%) थी. अनुमान है कि 2070 तक यह बढ़कर 1.29 अरब (75.8%) हो जाएगी.

# अररिया में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो नहर में गिरी, छह लोगों की दर्दनाक मौत

अररियाः बिहार के अररिया जिले में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया. वहां के ताराबाड़ी थाना क्षेत्र के बीड़ी पुल के समीप एक अनियंत्रित स्कॉर्पियो नहर में जा गिरी. इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया.हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया.



मिली जानकारी के मुताबिक घटना देर रात की है. हादसे के शिकार लोग एक तिलक समारोह से लौट रहे थे. ये सभी लोग सुपौल जिले के रहने वाले थे. हादसा इतना भयावह था कि गाड़ी में सवार लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला. इस दुर्घटना में छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया. घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों और पुलिस प्रशासन की सक्रियता से राहत एवं बचाव कार्य किया गया. हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई. वहीं, घायल व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया.पुलिस अधिकारी ने घटना के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि मामले की जांच की जा रही है.फिलहाल इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और वाहन चलाते समय सावधानी बरतने की जरूरत को सामने ला दिया है.

# यूपीए के समय कांग्रेस नेताओं ने PM मोदी को जेल जाने से बचाया था... वीरप्पा मोइली के दावे पर BJP ने दिया जवाब

नई दिल्लीः कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री वीरप्पा मोइली ने विवादित बयान में कहा है कि जब यूपीए की सरकार थी, उस समय उनकी ही पार्टी के कुछ नेताओं ने नरेंद्र मोदी को जेल जाने से बचाया था. कांग्रेस नेता वीरप्पा मोइली ने विवादित बयान में कहा, 'जब मैं कानून मंत्री था, तब हमारे नेताओं ने नरेंद्र मोदी को जेल जाने से बचाया था. कांग्रेस को उसी वजह से नुकसान उठाना पड़ रहा है. कांग्रेस, मोदी को सत्ता में आने से रोक सकती थी.

वीरप्पा मोइली ने एक कार्यक्रम में कहा, 'अदालत ने अमित शाह को उनके गृह राज्य



गुजरात से निष्कासित कर दिया था और मामला भी दूसरे राज्य में ट्रांसफर स्थानांतरित कर दिया गया था. जेल जाने वाले पहले व्यक्ति अमित शाह थे और उसके बाद नरेंद्र मोदी की बारी आई. उन्हें भी जेल जाना पड़ता और राज्य से निष्कासित होना पड़ता. यह सब हमारी पार्टी की त्रासदी है. हमारी ही पार्टी के भीतर नरेंद्र मोदी के खिलाफ जांच रोक दी गई. यह यूपीए सरकार के दौरान हुआ और यह पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की वजह से नहीं, बल्कि अन्य नेताओं की वजह से हुआ था. नतीजा यह है कि आज हम भुगत रहे हैं.

मोइली ने यह भी कहा कि अगर पार्टी के भीतर 'यथास्थिति' बनाए रखने की चाह रखने वाले 'कुछ नेताओं' ने रुकावट न डाली होती, तो कांग्रेस नरेंद्र मोदी को सत्ता में आने से रोक सकती थी. वीरप्पा मोइली ने विवादित बयान देते समय उन कांग्रेस नेताओं का नाम नहीं लिया जिनका वह जिक्र कर रहे थे.

उनका यह बयान तब सामने आया है, जब उन्होंने यूपीए सरकार के दौरान जांच से जुड़े घटनाक्रम पर फिर से बात की और कहा कि जांच रोकने का फैसला उनकी अपनी पार्टी के नेताओं ने लिया था.

# 'यह कौन है? मेरा दोस्त', पुतिन को देखकर गदगद हो गए डोनाल्ड ट्रंप

शेनझेन (चीन)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को चीन के शेनझेन में मुलाकात की। एक साल से अधिक समय बाद दोनों नेताओं की यह पहली आमने-सामने की मुलाकात थी। एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (APEC) शिखर सम्मेलन से इतर हुई करीब 40 मिनट की इस बैठक में यूक्रेन युद्ध प्रमुख मुद्दा रहा। मुलाकात के बाद ट्रंप ने पुतिन को अपना दोस्त बताया और कहा कि इस बातचीत से कई अच्छी चीजें निकल सकती हैं।

ट्रंप और पुतिन की इस मुलाकात पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी हैं। खासकर यूरोपीय देशों को आशंका है कि दोनों नेता यूक्रेन की भागीदारी के बिना युद्ध



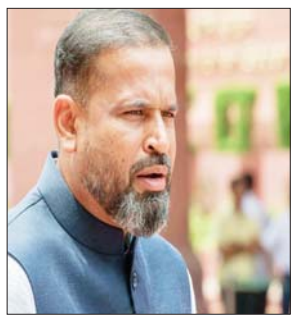
को लेकर कोई बड़ा फैसला कर सकते हैं, जिससे यूक्रेन को अपनी जमीन और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर समझौता करना पड़ सकता है।

APEC सम्मेलन के दौरान एक छोटे से बैठक रूम में जब ट्रंप पहुंचे तो बड़े खुश नजर आए। ट्रंप ने पुतिन को देखकर कहा, 'यह कौन है? यह मेरा दोस्त है।' इसके बाद दोनों नेताओं ने हाथ मिलाया। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट भी अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के तौर पर मौजूद थे। उन्होंने भी पुतिन से हाथ मिलाया।

ट्रंप ने मुलाकात के बाद कहा, 'हमारे कई सालों से अच्छे संबंध रहे हैं। हम एक-दूसरे को लंबे समय से जानते हैं। मुझे लगता है कि इससे कई शानदार चीजें निकल सकती हैं या कम से कम उनकी शुरुआत हो सकती है।' रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास के मुताबिक, बैठक के बाद पुतिन काफी अच्छे मूड में नजर आए। एजेंसी ने बताया कि बातचीत का मुख्य मुद्दा यूक्रेन युद्ध था। पुतिन से मुलाकात के बाद ट्रंप ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अलग द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध खत्म कराने के लिए पुतिन और जिनपिंग, दोनों की मदद चाहते हैं। ट्रंप ने कहा कि वह इस युद्ध को खत्म होते देखना चाहते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि दिन में होने वाली तीनों नेताओं की ऐतिहासिक त्रिपक्षीय बैठक से कुछ सकारात्मक नतीजा निकल सकता है।

# यूसुफ पठान की बल्ले-बल्ले; BJP सरकार ने करोड़ों का तोहफा दे पूरी कर दी 14 साल की इच्छा

वडोदरा। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्टार खिलाड़ी और तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसद यूसुफ पठान की बल्ले-बल्ले हो गई है। जिस जमीन को पाने के लिए वह 14 साल कोशिश कर रहे थे, सरकार से विनती की, अदालतों के चक्कर काटे... अब उन्हें तोहफे के रूप में मिल गई है। भाजपा शासित वडोदरा नगर निगम (वीएमसी) ने पठान की पुरानी मुराद पूरी करते हुए उन्हें आधी से अधिक जमीन मुफ्त और बाकी बेहद सस्ते दर पर देने का फैसला किया है। दिलचस्प यह है कि भाजपा के साथ ही कांग्रेस का



स्टैंड भी समय के साथ बदला नजर आया और उसके पार्षदों ने इस फैसले का जमकर विरोध किया। कांग्रेस के विरोध के बीच वीएमसी की आम सभा ने बुधवार को गुजरात सरकार के उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जिसके तहत यूसुफ पठान को 978 वर्ग मीटर के विवादित भूखंड का कुछ हिस्सा मुफ्त और बाकी सस्ते दर पर दिया जाएगा। वडोदरा के तंडलजा इलाके में पठान के घर से सटे भूखंड का 500 वर्ग मीटर हिस्सा मुफ्त में मिलेगा और बाकी 478 वर्ग मीटर के लिए उनसे बाजार मूल्य का 55 प्रतिशत हिस्सा लिया जाएगा। विपक्षी दल कांग्रेस ने इस प्रस्ताव के विरोध में वोट दिया। कांग्रेस का कहना है कि भाजपा ने गुजरात में पठान को पश्चिम बंगाल में की गई बगावत का इनाम दिया है। मेयर गीता मकवाना ने बताया कि भूखंड से जुड़ा प्रस्ताव, जिसकी समीक्षा वीएमसी की स्थायी समिति ने की थी, उसे बैठक में आम सभा ने बहुमत से मंजूर किया। गीता मकवाना ने कहा कि विपक्ष के पार्षदों ने प्रस्ताव के खिलाफ वोट दिया और इस दौरान बहस छिड़ गई। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव राज्य सरकार की ओर से आया था, इसलिए इसे मंजूरी दे दी गई। उन्होंने इसमें कुछ नियम शर्तें जोड़ने की बात भी कही। मेयर ने कहा कि इस भूखंड के लिए कुछ खास नीतियां और नियम लागू होंगे, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि जिसे जमीन आवंटित की गई है, वह इसे किसी तीसरे पक्ष को न बेच सके।

**कांग्रेस ने क्या कहा?**

कांग्रेस ने पठान को सरकारी जमीन आवंटित किए जाने को लेकर सत्ताधारी भाजपा पर निशाना साधा और इसे 'भ्रष्टाचार और दोहरे मापदंड' का मामला बताया। कांग्रेस ने कहा कि पूर्व क्रिकेटर युसूफ पठान ने जमीन पर 'अवैध कब्जा' किया था, लेकिन राजनीतिक निष्ठा बदलने के बाद जुर्माना माफ करके वडोदरा में उन्हें एक भूखंड दे दिया।

## दिल्ली मेट्रो महा विस्तार

# फेज 5क्रमें बनेंगे 9 कॉरिडोर, 114 किमी में 72 स्टेशन, नरेला-रोहिणी से नोएडा-गुरुग्राम, गाजियाबाद तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी

नई दिल्लीः दिल्ली एनसीआर में मेट्रो नेटवर्क का महा विस्तार हो रहा है. मेट्रो विस्तार फेज-5 क्रके तहत कुल 8 नए मेट्रो कॉरिडोर बनाए जाने हैं. इसमें दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम तक मेट्रो कनेक्टिविटी बढ़ेगी. इसमें यशोभूमि-गुरुग्राम मेट्रो रूट सबसे अहम है. दिल्ली मेट्रो का 2030 तक इन परियोजनाओं को पूरा करने का लक्ष्य है.द्वारका एक्सप्रेसवे के पास द्वारका सेक्टर 25 यशोभूमि से गुरुग्राम के बीच सीधा मेट्रो रूट बनेगा. इससे दिल्ली एयरपोर्ट और गुरुग्राम के कारपोरेट कंपनियों के टावरों तक कुछ मिनटों में पहुंच सकेंगे. दिल्ली मेट्रो की एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन का विस्तार कर यशोभूमि-गुरुग्राम मेट्रो कॉरिडोर बनाया जा रहा है, जो दिल्ली के द्वारका को सेंट्रल गुरुग्राम तक जोड़ेगा. यशोभूमि द्वारका सेक्टर 25, बिजवासन, कार्टरपुरी, सेक्टर 23, इफ्को चौक, राजीव चौक, सुभाष चौक इसके स्टेशन होंगे. ये कॉरिडोर करीब 17.5 किमी लंबा होगा.इस रूट से इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (IGI) और द्वारका कन्वेंशन सेंटर (यशोभूमि) तक आवाजाही आसान होगी. दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे (NH-48) पर कारों का दबाव घटने के साथ ट्रैफिक जाम घटेगा. इस रूट की डीपीआर बन गई है. केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय और हरियाणा सरकार की मंजूरी इंतजार है. DMRC ने दिल्ली के दूरदराज के इलाकों को जोड़ने के लिए फेज-5 में आठ कॉरिडोर जोड़ने का प्लान बनाया है. इनके रूट की लंबाई लगभग 97 किलोमीटर है. इसमें 65 नए मेट्रो स्टेशन बनाए जाने हैं. इससे समयपुर बादली, कीर्तिनगर, पालम, जोरबाग, मीठापुर, मयूर विहार फेज-3 से लेकर गाजियाबाद के साहिबाबाद इलाके तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी.

# 'हाथ काट देंगे', भारत को धमकाने वाले पाकिस्तानी मंत्री मुसादिक मलिक दिल्ली आ रहे हैं

नई दिल्ली। पाकिस्तान के मंत्री मुसादिक मलिक भारत आ रहे हैं। खास बात है कि पड़ोसी मुल्क में जलवायु मंत्रालय संभाल रहे मलिक भारत को धमकी दे चुके हैं। उन्होंने सिंधु जल समझौते के मुद्दे पर हाथ काटने तक की बात कह चुके हैं। हालांकि, खास बात है कि वह भारत की तरफ से दिए गए न्योते पर ही भारत आ रहे हैं। वही 20 से 22 दिसंबर के बीच SCO यानी शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में शामिल होंगे।

मुसादिक मलिक से पहले बिलावल भुट्टो साल 2023 में भारत आए थे। उन्होंने विदेश मंत्री के तौर पर स्ष्ठह्र के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लिया था। भारत की अध्यक्षता में तब आयोजन



गोवा में किया गया था। इसके बाद यह पहला मौका है, जब कोई पाकिस्तानी मंत्री भारत आ रहे हैं। फरवरी 2019 में पुलवामा और फिर 2025 में पहलगाम हमले के बाद से ही रिश्ते तनावपूर्ण बने हुए हैं। IWT यानी सिंधु जल संधि को लेकर मलिक ने भारत को चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था, 'इस बात की घोषणा पहले ही कर दी गई है कि, जो भी हमारे पानी को हाथ लगाएगा, तो उसके हाथ काट दिए जाएंगे।' भारत ने पुलावामा हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ कई बड़े फैसले किए थे। उनमें ही संधि को स्थगित करने की बात भी शामिल थी। मलिक एससीओ सिविलाइजेशनल डायलॉग के लिए आ रहे प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई कर रहे हैं। इससे पहले भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस बात की पुष्टि की थी कि भारत ने स्ष्ठह्र के सभी सदस्यों को न्योता दिया है। इस समूह में भारत, चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, ईरान, उज्बेकिस्तान, पाकिस्तान और बेलारूस शामिल हैं।

पाकिस्तान की तरफ से जारी बयान में कहा गया, 'पाकिस्तान सरकार स्ष्ठह्र के दायरे में आपसी सम्मान के साथ सभ्यताओं के संवाद और लोगों के आपसी मेल-जोल को बढ़ाने के प्रति समर्पित है।'

एससीओ की स्थापना 2001 में शंघाई में आयोजित एक शिखर सम्मेलन के दौरान रूस, चीन, किर्गिज गणराज्य, कजाखस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपतियों ने की थी। भारत और पाकिस्तान 2017 में इसके स्थायी सदस्य बने थे। ईरान 2023 में इसका सदस्य बना।

एक ओर जहां पाकिस्तान की तरफ से भारत से बातचीत करने का मुद्दा उठाया जा रहा है।

# दिल्ली एयरपोर्ट पर जवान को धक्का देकर घुसने वाला युवक एथलीट निकला, बिना वीजा जाना चाहता था विदेश

दिल्लीः दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 में जबरन घुसने की कोशिश करने वाले आरोपी युवक की पहचान हो गई है. वह बिना वीजा विदेश जाना चाहता था. इसीलिए जबरदस्ती एयरपोर्ट पर घुस रहा था. उसकी पहचान एथलीट कुनाल के रूप में हुई है. अधिकारियों ने बताया कि कुनाल ने बुधवार को जब जबरदस्ती एयरपोर्ट में घुसने की कोशिश की तो सीआईएसएफ के जवानों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया. IANS ने बताया कि दिल्ली पुलिस के मुताबिक, आरोपी कुनाल हरियाणा के सोनीपत का रहने वाला है. वह एथलीट है और पश्चिम बंगाल में ट्रेनिंग करता है. शुरुआती जांच में



सामने आया कि कुनाल किसी भी कीमत पर विदेश जाना चाहता था. जबकि उसके पास वीजा और कोई वैध ट्रैवल डॉक्यूमेंट नहीं था. इसी वजह से वह जबरदस्ती एयरपोर्ट में घुसने लगा और बाद में पकड़ा गया. अधिकारियों ने बताया कि सीआईएसएफ की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर आगे नियमों के अनुसार कार्रवाई शुरू कर दी है.इससे पहले, सामने आए वीडियो में आरोपी युवक को सीआईएसएफ कर्मियों को चकमा देते हुए जबरदस्ती एयरपोर्ट के अंदर घुसते हुए देखा गया था. यह घटना टर्मिनल 3 के डिपार्चर गेट पर हुई, जहां सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात सीआईएसएफ कर्मियों ने उसे टर्मिनल में अनधिकृत रूप से घुसने की कोशिश करते देखा. सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे रोका और 'क्विक रिस्पॉन्स टीम' (क्यूआरटी) की मदद से उसे पकड़ लिया. सीआईएसएफ के मुताबिक, घुसने की कोशिश के कुछ ही सेकंड के भीतर कुनाल को रोक कर काबू में कर लिया गया. डिपार्चर गेट पर तैनात कर्मियों और क्यूआरटी के बीच समय रहते तालमेल बिठाने से उस व्यक्ति को बिना जरूरी यात्रा दस्तावेजों के एयरपोर्ट के प्रतिबंधित टर्मिनल में घुसने से रोका जा सका. सीआईएसएफ ने अपनी त्वरित और समन्वित कार्रवाई से एक संभावित सुरक्षा चूक को रोक दिया. सीआईएसएफ ने अपने बयान में कहा कि उसके कर्मी एयरपोर्ट की सुरक्षा से समझौता करने की किसी भी कोशिश का जवाब देने के लिए हमेशा सतर्क और तैयार रहते हैं.

# 'यह बहुत ही हैरानी भरा', सिराज को बाहर रखने पर शास्त्री और सहवाग बुरी तरह भड़के

नई दिल्ली। वेलिंगटन में वीरवार को शुरू हुए पहले टेस्ट में मोहम्मद सिराज को न खिलाने के मामले में जोरदार बहस पकड़ ली है. पूर्व दिग्गज और हेड कोच रह चुके रवि शास्त्री और वीरेंद्र सहवाग का गुस्सा सिराज को XI से बाहर बैठाने पर बुरी तरह फूटा है. वास्तव में मोहम्मद सिराज को वेलिंगटन टेस्ट में न खिलाना हर मंच पर चर्चा का विषय बना हुआ है. और अगर भारतीय पहलू से यह कहा जाए कि बाकी तमाम बातों से अलग पहले दिन की चर्चा मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा को बाहर बैठाने पर सिमट गई, तो गलत नहीं ही होगा. शास्त्री



ने तो सहवाग से आगे जाते हुए सिराज और रवींद्र जडेजा को बाहर रखने के भारत के फैसले की पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कड़ी आलोचना की है. उन्होंने टीम के चयन और इन दोनों की जगह वॉशिंगटन सुंदर को शामिल करने के फैसले पर सवाल उठाए हैं. शास्त्री ने सिराज को बाहर किए जाने पर विशेष रूप से निराशा व्यक्त की और इंग्लैंड में इस तेज़ गेंदबाज़ के प्रदर्शन, उनके भारी वर्कलोड (कार्यभार) और भारतीय गेंदबाजी आक्रमण में उनके महत्व को बयां किया. पूर्व ओपनर सहवाग ने कहा, 'न्यूज़ीलैंड के खिलाफ प्लेइंग XI में मोहम्मद सिराज का न होना हैरान करने वाला है. खासकर तब जब उन्होंने इंग्लैंड सीरीज़ में शानदार प्रदर्शन किया था. तब वह भारत के सबसे बेहतरीन गेंदबाज़ रहे थे और यकीनन टीम में अपनी जगह के हकदार थे.' उन्होंने कहा, 'हालांकि भारत के सभी गेंदबाज़ों में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता है, लेकिन हाल के अपने प्रदर्शन की वजह से सिराज चयन के लिए एक मज़बूत दावेदार थे.

सच कहूं तो मेरी राय में आज मोहम्मद सिराज को न खिलाना, चयन का एक बहुत ही खराब फैसला है.

उन्होंने जडेजा को बाहर रखने के फैसले को भी चुनौती दी और इस ऑलराउंडर को विश्व स्तरीय खिलाड़ी बताया. शास्त्री का तर्क था कि सिराज की अनुपस्थिति के साथ-साथ जडेजा को भी बाहर रखना इस चयन को समझना और भी मुश्किल बना देता है.

# चक्रवात अकवान का खतराः ओडिशा में 80 हजार से अधिक लोग सुरक्षित निकाले गए

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने चक्रवात 'अकवान' के आसन्न खतरे को देखकर अब तक 80 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। ओडिशा राज्य में 74 बचाव दल तैनात किए गए हैं और एहतियात के तौर पर कई जिलों में शैक्षणिक संस्थान बंद हैं। जिला अधिकारियों ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, भीषण चक्रवाती तूफान 'अकवान' शुक्रवार दोपहर तक उत्तर आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा के तटों के बीच, नरसापुर (आंध्र प्रदेश) और पुरी (ओडिशा) के पास गोपालपुर के पूर्व में दस्तक दे सकता है। इस दौरान हवा की अधिकतम निरंतर गति 90 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे रहने और झोंकों की गति 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। गुरुवार सुबह यह आंध्र प्रदेश के नरसापुर से करीब 440 किलोमीटर और ओडिशा के गोपालपुर से 530 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में केंद्रित था और बीते छह घंटों के दौरान 12 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर की ओर बढ़ा है।

स्वामी/ प्रकाशक / मुद्रक
प्रमोद कुमार ने जय माँ गंगा प्रिंटर्स, हरिद्वार से मुद्रित कराकर कार्तिकेय कॉलोनी, फेस-3, दर्पण स्कूल वाली गली, निकट हनुमान मंदिर, कुसुमखेड़ा, हल्द्वानी जनपद-नैनीताल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।
सम्पादक
प्रमोद कुमार
मो.7830201066
सह-सम्पादक
दया जोशी
मो.9412135616